

Norman Bethune in China

Adapted by Chung Chih-cheng

Illustrations by Hsu Jung-chu, Hsu Yung Ku Lien-tang and Wang Yi-sheng

चीन में नॉर्मन बेथ्यून

चुंग चिह-चेंग द्वारा रूपांतरण

चित्र: ह्सू जंग-चू, ह्सू युंग कु लिएन-तांग और वांग यी-शेंग

हिंदी: अरविन्द गुप्ता

Norman Bethune in China

Adapted by Chung Chih-cheng

Illustrations by Hsu Jung-chu, Hsu Yung Ku Lien-tang and Wang Yi-sheng

चीन में नॉर्मन बेथ्यून

चुंग चिह-चेंग द्वारा रूपांतरण

चित्र: हसू जंग-चू, हसू युंग कु लिएन-तांग और वांग यी-शेंग

हिंदी: अरविन्द गुप्ता

COMRADE NORMAN BETHUNE, a member of the Communist Party of Canada, was a world-famous chest surgeon. In 1937, when the War of Resistance Against Japan broke out, he was sent to China by the Communist Parties of Canada and the United States. He arrived early in 1938. In the spring of the same year, he reached Yenan and was received by the great leader of the Chinese people, Chairman Mao. Soon afterwards, he went to the base area behind the enemy lines as Medical Advisor to the Shansi-Chahar-Hopei Military Area. In those hard war years, he shared the joys and sorrows of the people and army men in the Shansi-Chahar-Hopei Border Region. He adopted the cause of the Chinese people's liberation as his own. With selfless enthusiasm in his work, and imbued with the great spirit of internationalism and communism, he made a glorious contribution to the cause of the Chinese people's liberation. Unfortunately, he contracted blood poisoning while operating on wounded soldiers, and to our great sorrow, after all measures taken to cure him had proved futile, died on November 12, 1939 at Yellow Stone Village in Tanghsien County, Hopei Province.

On December 21, 1939, Chairman Mao wrote the brilliant essay "In Memory of Norman Bethune" calling on the Chinese people to learn from Comrade Bethune. In 1940, to perpetuate his memory, the Shansi-Chahar-Hopei Military Area renamed the Model Hospital set up by him the "Bethune International Peace Hospital."

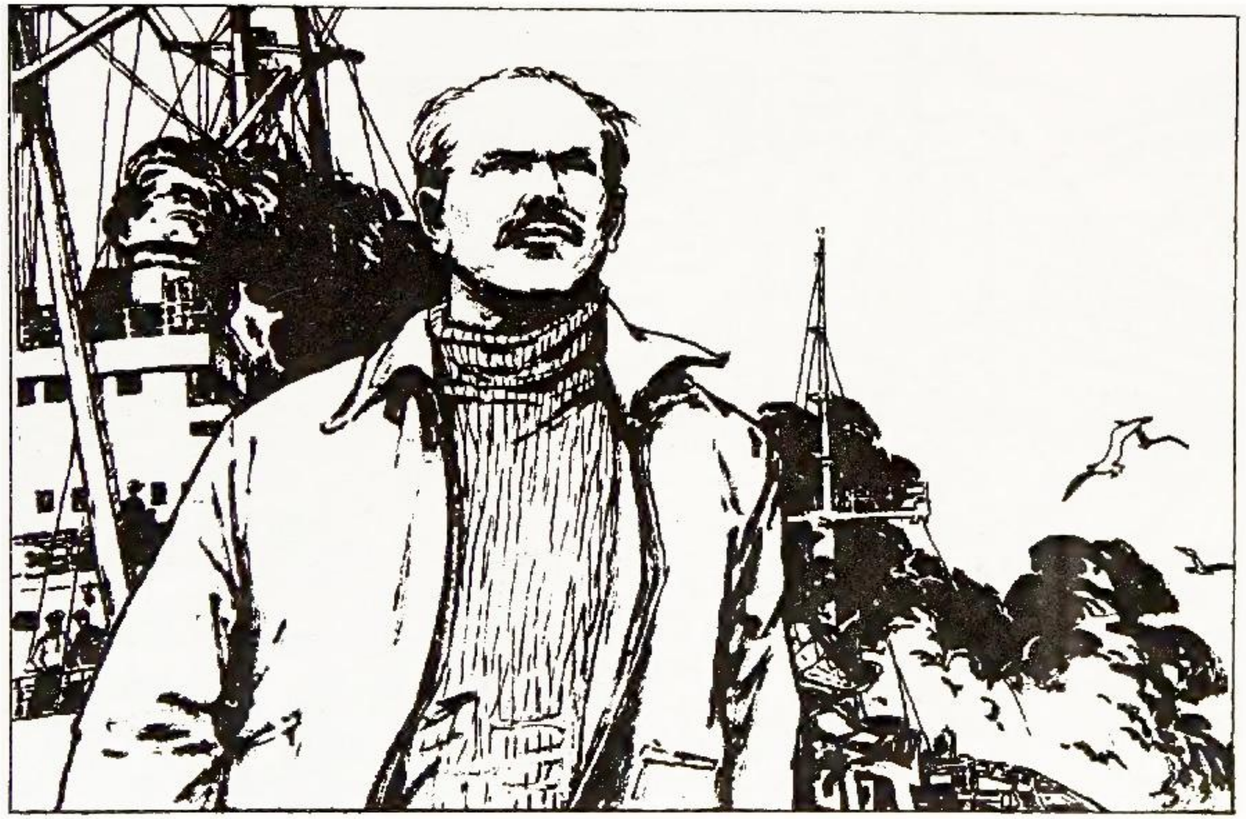
The great internationalist fighter Comrade Bethune lives forever in the hearts of millions upon millions of the Chinese people.

कॉमरेड नॉर्मन बेथ्यून, कनाडा की कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य, एक विश्व प्रसिद्ध छाती सर्जन थे. 1937 में, जब जापान के खिलाफ प्रतिरोध का युद्ध छिड़ा, तो उन्हें कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका की कम्युनिस्ट पार्टियों द्वारा चीन भेजा गया. वे 1938 की शुरुआत में पहुँचे. उसी वर्ष के वसंत में, वे येनान पहुँचे और चीनी लोगों के महान नेता, चेयरमैन माओ ने उनका स्वागत किया. इसके तुरंत बाद, वे शांसी-चाहर-होपेई सैन्य क्षेत्र के चिकित्सा सलाहकार के रूप में दुश्मन की रेखाओं के पीछे बेस क्षेत्र में चले गए. उन कठिन युद्ध के वर्षों में, उन्होंने शांसी-चाहर-होपेई सीमा क्षेत्र में लोगों और सेना के जवानों के सुख-दुख को साझा किया. उन्होंने चीनी लोगों की मुक्ति के उद्देश्य खुद अपनाया. अपने काम में निस्वार्थ उत्साह के साथ, तथा अंतर्राष्ट्रीयता और साम्यवाद की महान भावना से ओतप्रोत होकर, उन्होंने चीनी लोगों की मुक्ति के लिए एक शानदार योगदान दिया. दुर्भाग्य से, घायल सैनिकों का ऑपरेशन करते समय उन्हें रक्त विषाक्तता हो गई, और यह बड़े दुख की बात है कि उनके इलाज के लिए किए गए सभी उपाय निरर्थक साबित होने के बाद, 12 नवंबर, 1939 को होपेई प्रांत के तांग्सियन काउंटी के येलो स्टोन गांव में उनकी मृत्यु हो गई.

21 दिसंबर, 1939 को, चेयरमैन माओ ने "नॉर्मन बेथ्यून की स्मृति में" एक शानदार निबंध लिखा, जिसमें चीनी लोगों से कॉमरेड बेथ्यून से सीखने का आह्वान किया गया. 1940 में, उनकी स्मृति को अमर बनाने के लिए, शांसी-चाहर-होपेई सैन्य क्षेत्र ने उनके द्वारा स्थापित मॉडल अस्पताल का नाम बदलकर "बेथ्यून अंतर्राष्ट्रीय शांति अस्पताल" कर दिया.

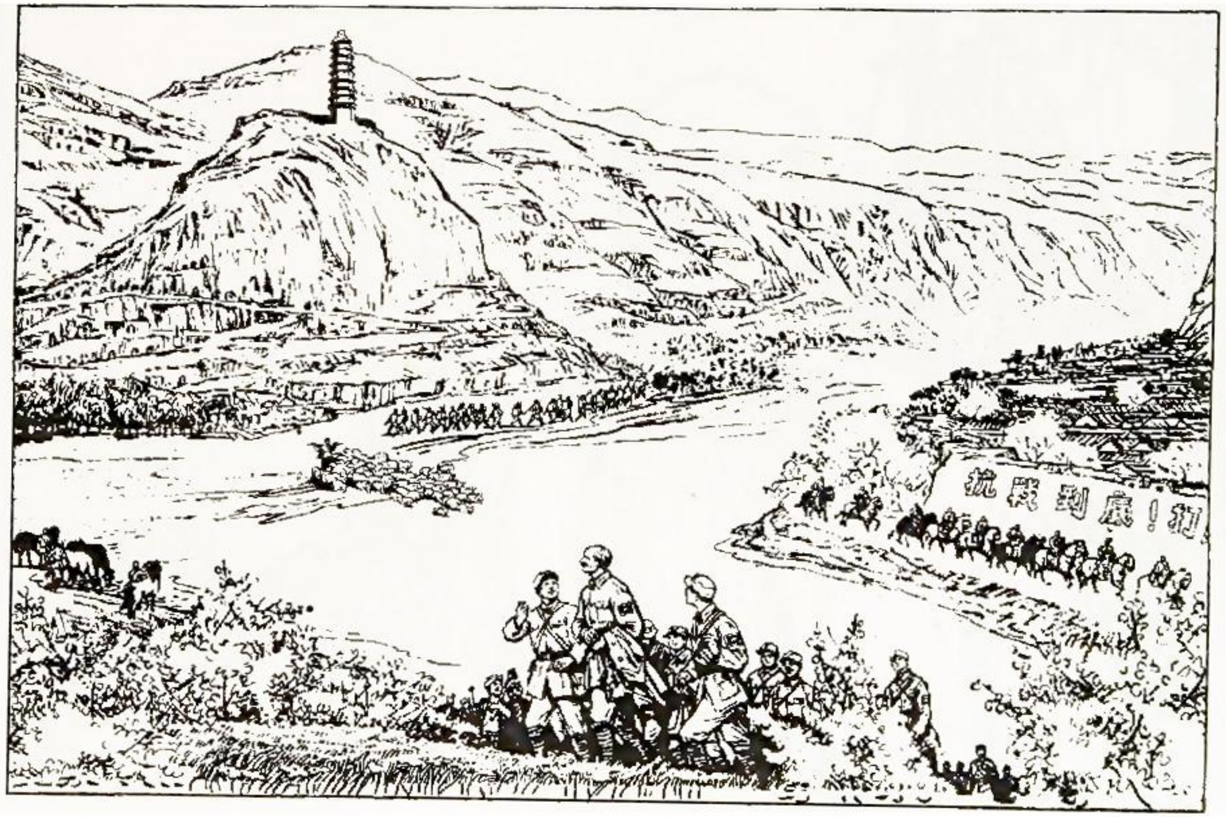
महान अंतर्राष्ट्रीयतावादी योद्धा कॉमरेड बेथ्यून लाखों चीनी लोगों के दिलों में हमेशा के लिए जीवित हैं.

1. Early in 1938, after a long voyage, the great internationalist fighter Norman Bethune, who had been sent by the Communist Parties of Canada and the United States to help in the War of Resistance Against Japan, arrived in China.



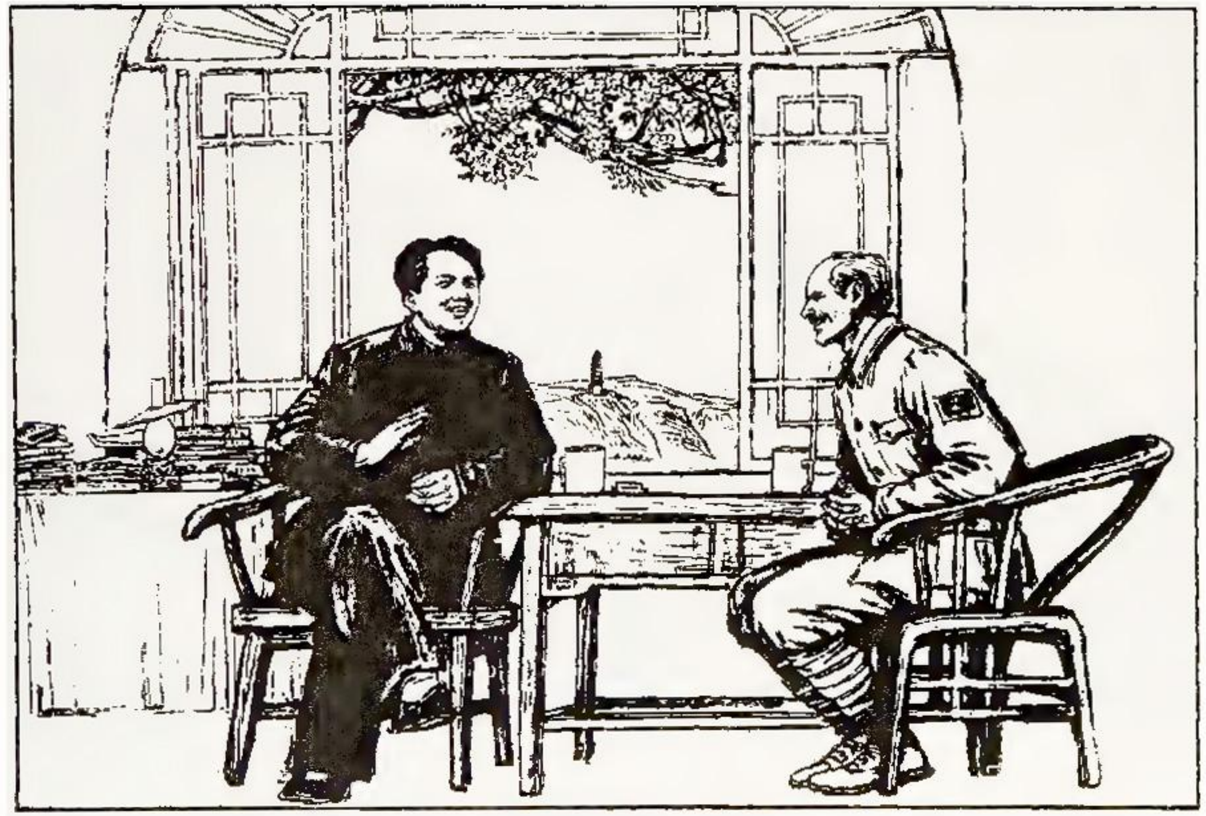
1. 1938 की शुरुआत में, एक लंबी यात्रा के बाद, महान अंतर्राष्ट्रीयवादी योद्‌धा नॉर्मन बेथ्यून, जिन्हें कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका की कम्युनिस्ट पार्टियों ने जापान के खिलाफ़ प्रतिरोध के युद्‌ध में मदद करने के लिए भेजा था, चीन पहुँचे.

2. Late in March, after a hard and hazardous journey, Comrade Bethune reached Yenan, cradle of the Chinese revolution. Here, scenes of revolutionary vitality met his eyes wherever he went. Deeply impressed, he said: "Here in Yenan I've seen new China at last!"



2. मार्च के अंत में, एक कठिन और जोखिम भरी यात्रा के बाद, कॉमरेड बेथ्यून चीनी क्रांति के उद्‌गम स्थल येनान पहुँचे. यहाँ पर जहाँ भी वे गए, वहां उन्होंने क्रांतिकारी जीवन शक्ति के दृश्य अपनी आँखों से देखे. अंत में उन्होंने प्रभावित होकर कहा: "यहाँ येन में मैंने आखिरकार नया चीन देखा है!"

3. Not long after Bethune's arrival in Yenan, Chairman Mao, the great leader of the Chinese people, met him and had a friendly talk with him.



3. बेथ्यून के येनान पहुँचने के कुछ समय बाद, चीनी लोगों के महान नेता, चेयरमैन माओ ने उनसे मुलाकात की और उनके साथ दोस्ताना बातचीत की.

4. It was late at night. Comrade Bethune, just back from the Chairman's, was too excited to sleep. He wrote in his diary: "I now know why Mao Tseung impresses everyone who meets him the way he does. The man is a giant! He is one of the great men of our world.”



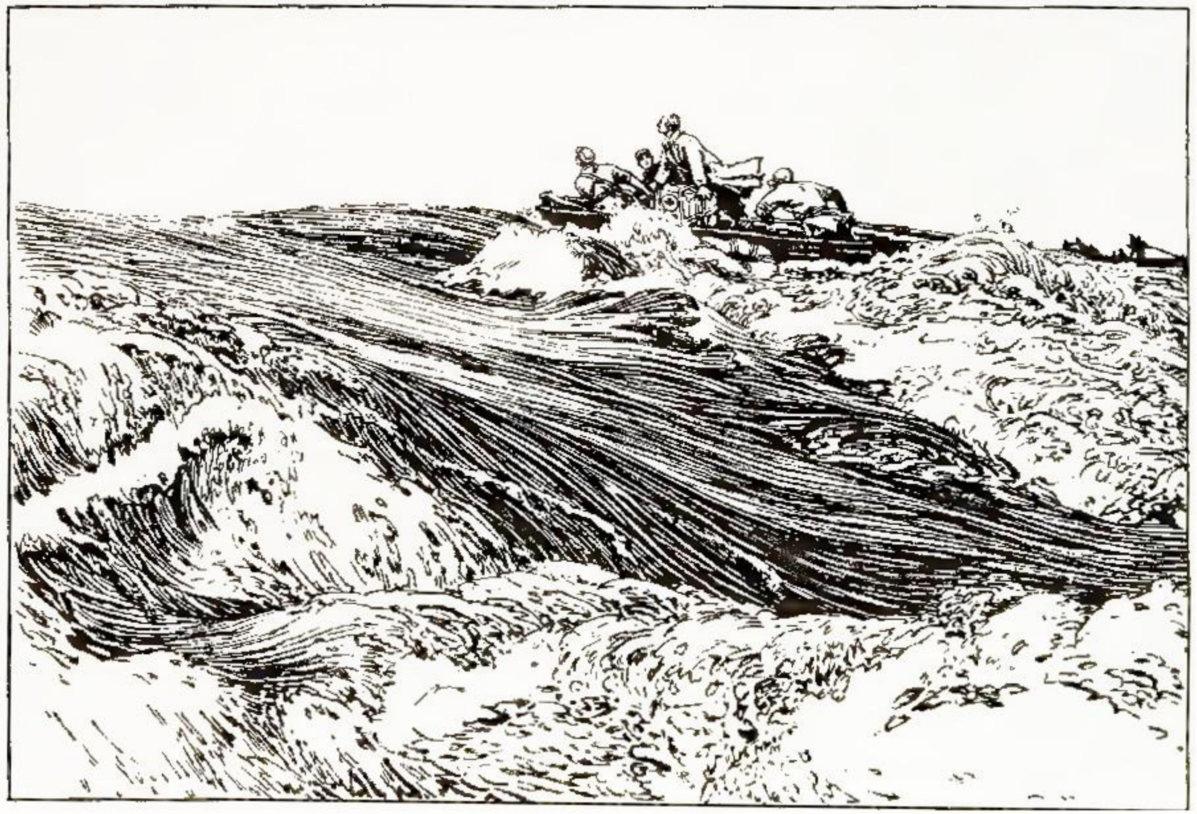
4. रात हो चुकी थी. चेयरमैन के घर से वापस आए कॉमरेड बेथ्यून बहुत उत्साहित थे और सो नहीं पा रहे थे. उन्होंने अपनी डायरी में लिखा: "अब मुझे पता चला कि माओ त्सेतुंग हर उस व्यक्ति को क्यों प्रभावित करते हैं जो उनसे मिलता है. वह एक महान व्यक्ति हैं! वह हमारी दुनिया के महान व्यक्तियों में से एक हैं."

5. Comrade Bethune, clad in an 8th Route Army uniform, and bearing in mind Chairman Mao's expectations, made ready to set out for the front — the Shansi-Chahar-Hopei Border Region. On the day he was to start, the Party assigned him a bodyguard and an orderly, but Bethune said with feeling, "More comrades are needed at the front. I'll only take this one 'Little Devil' with me."



5. 8वीं रूट आर्मी की वर्दी पहने और चेयरमैन माओ की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए कॉमरेड बेथ्यून ने शांसी-चाहर-होपेई सीमा क्षेत्र के मोर्चे पर जाने की तैयारी की. जिस दिन उन्हें रवाना होना था, पार्टी ने उनके लिए एक अंगरक्षक और एक अर्दली नियुक्त किया, लेकिन बेथ्यून ने भावुक होकर कहा, "मोर्चे में और भी कॉमरेडों की जरूरत होगी. मैं अपने साथ सिर्फ़ इस 'छोटे शैतान' को ले जाऊंगा."

6. Comrade Bethune made a detour until he got to a ferry on the Yellow River. Medical kit in hand, he crossed the turbulent river on his way to the Shansi-Chahar-Hopei Border Region.



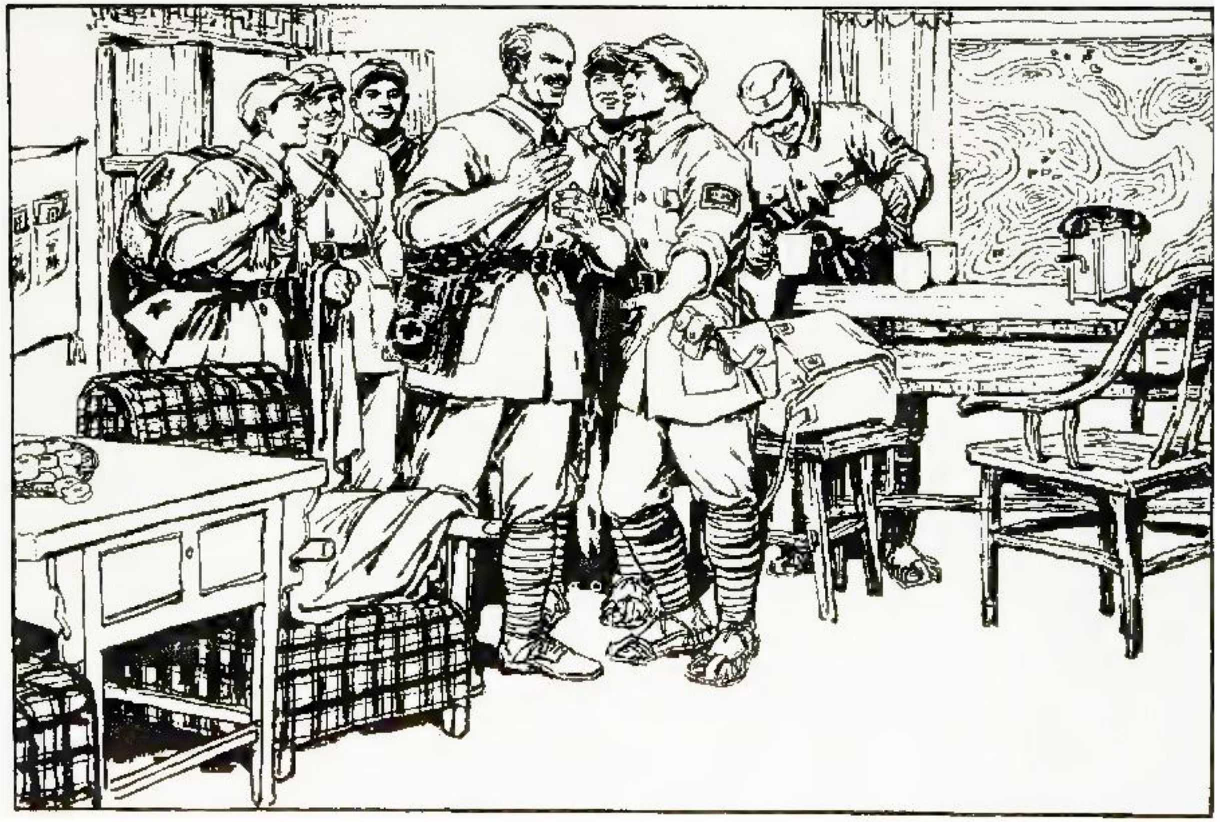
6. कॉमरेड बेथ्यून ने एक लम्बा चक्कर लगाया और अंत में उन्होंने येलो नदी को एक नौका से पार किया. हाथ में मेडिकल किट लेकर, उन्होंने शांसी-चाहर-होपेई सीमा क्षेत्र की ओर जाने के लिए उस तूफानी नदी को पार किया.

7. Two months later, on June 17, Comrade Bethune reached this Border Region after a hard journey over mountains and rivers. There he was warmly received by the people and the army men.



7. दो महीने बाद, 17 जून को, कॉमरेड बेथ्यून पहाड़ों और नदियों पर एक कठिन यात्रा के बाद सीमा क्षेत्र में पहुंचे. वहां लोगों और सेना के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया.

8. The first question Bethune asked on entering the room was: "Where are the wounded?" The comrades urged him to rest for a few days, but he declined with a smile: "I'm here to work, not to remain idle. Please take me to the wounded men right away.”



8. कमरे में प्रवेश करते ही बेथ्यून ने पहला सवाल पूछा: "घायल कहां हैं?" साथियों ने उनसे कुछ दिन आराम करने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने मुस्कुराते हुए मना कर दिया: "मैं यहाँ काम करने आया हूँ, बेकार बैठने के लिए नहीं. कृपया मुझे तुरंत घायलों के पास ले जाएँ."

9. Early next morning, Comrade Bethune went to the rear hospital of the Military Area in Sungyenkou Village. He carefully examined the wounded one by one and inspected all the operating rooms. He found the hospital poorly equipped and badly in need of medicine. But when he saw the hard-working medical staff making medical apparatus and concocting Chinese medicine themselves, he was impressed.



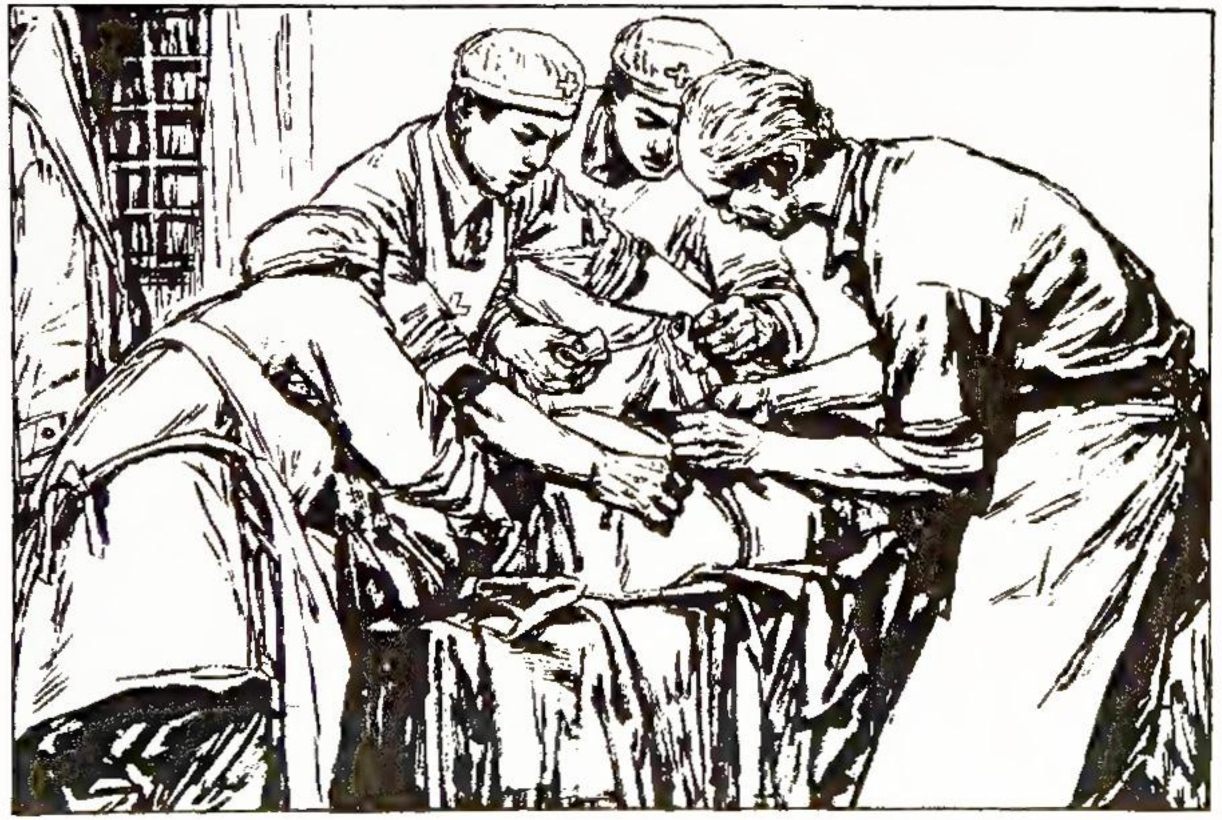
9. अगली सुबह, कॉमरेड बेथ्यून सुंग्येनकोऊ गाँव में सैन्य क्षेत्र के पीछे के अस्पताल में गए. उन्होंने एक-एक करके घायलों की सावधानीपूर्वक जाँच की और सभी ऑपरेशन कक्षों का निरीक्षण किया. उन्होंने पाया कि अस्पताल में उपकरण कम थे और दवाओं की सख्त ज़रूरत थी. लेकिन जब उन्होंने मेहनती मेडिकल स्टाफ़ को, खुद चिकित्सा उपकरण बनाते और खुद चीनी दवाएं बनाते देखा, तो वो बहुत प्रभावित हुए.

10. Comrade Bethune said excitedly: "What the Chinese Communist Party has given the 8th Route Army is not superior weapons, but revolutionary fighters tempered on the Long March. With people like that as the backbone of the revolution, we have everything we need."



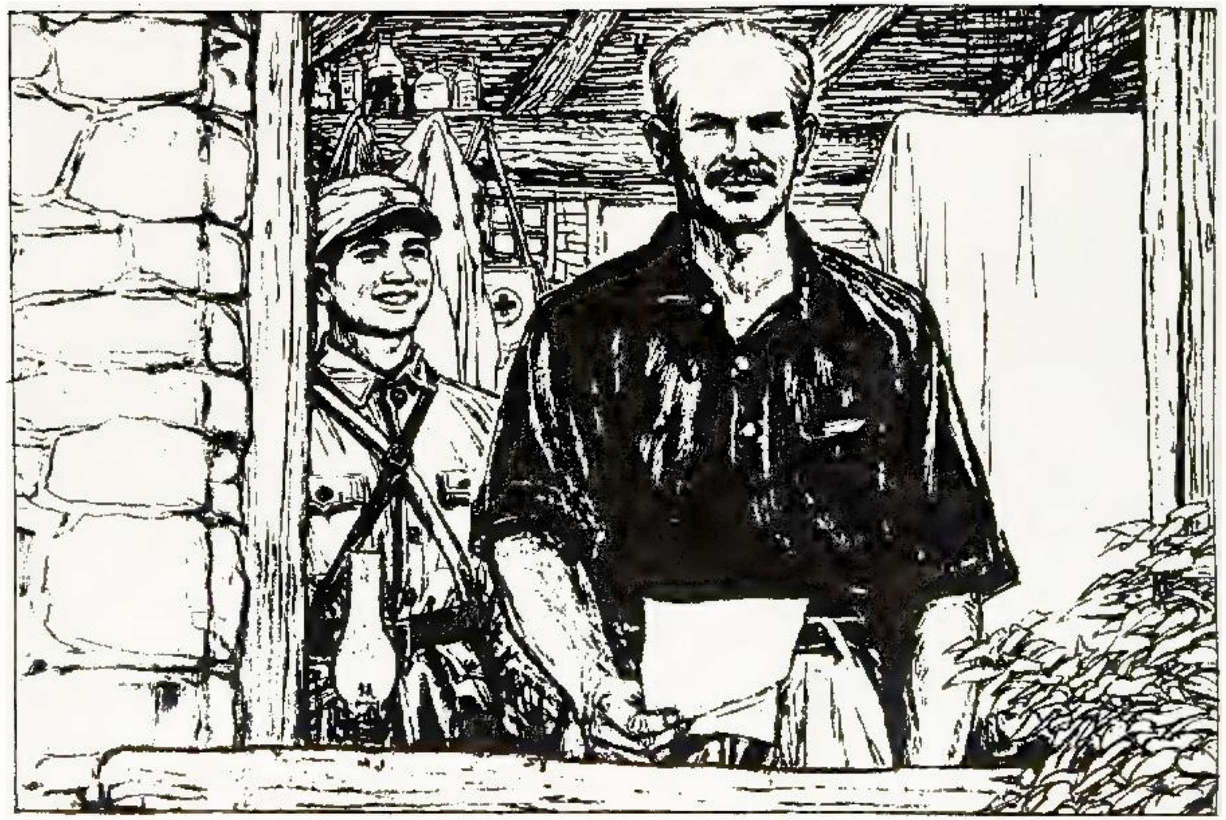
10. कॉमरेड बेथ्यून ने उत्साह से कहा: "चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने 8वीं रूट आर्मी को जो दिया है, उससे बेहतर हथियार नहीं हैं. लॉन्ग मार्च में तपे हुए क्रांतिकारी लड़ाके हैं. क्रांति की रीढ़ के रूप में ऐसे लोगों के साथ, हमारे पास वह सब कुछ है जिसकी हमें ज़रूरत है."

11. Comrade Bethune worked with fiery passion, examining 520 wounded men during the first week and operating on 147 within a month. Thanks to his efforts, the men soon got well and went back to the front.



11. कॉमरेड बेथ्यून ने जोश के साथ काम किया. उन्होंने पहले हफ़्ते में 520 घायलों की जाँच की और एक महीने के अंदर 147 मरीज़ों का ऑपरेशन किया. उनके प्रयासों की बदौलत, लोग जल्द ही ठीक हो गए और मोर्चे पर वापस चले गए.

12. The Military Area command brought a directive from Chairman Mao appointing Comrade Bethune medical advisor to the Military Area with a monthly allowance of 100 yuan. Comrade Bethune wrote Chairman Mao that very night, pledging to share the joys and sorrows of the people and soldiers there. The allowance he turned over to the hospital to pay for the nutrition of the wounded.



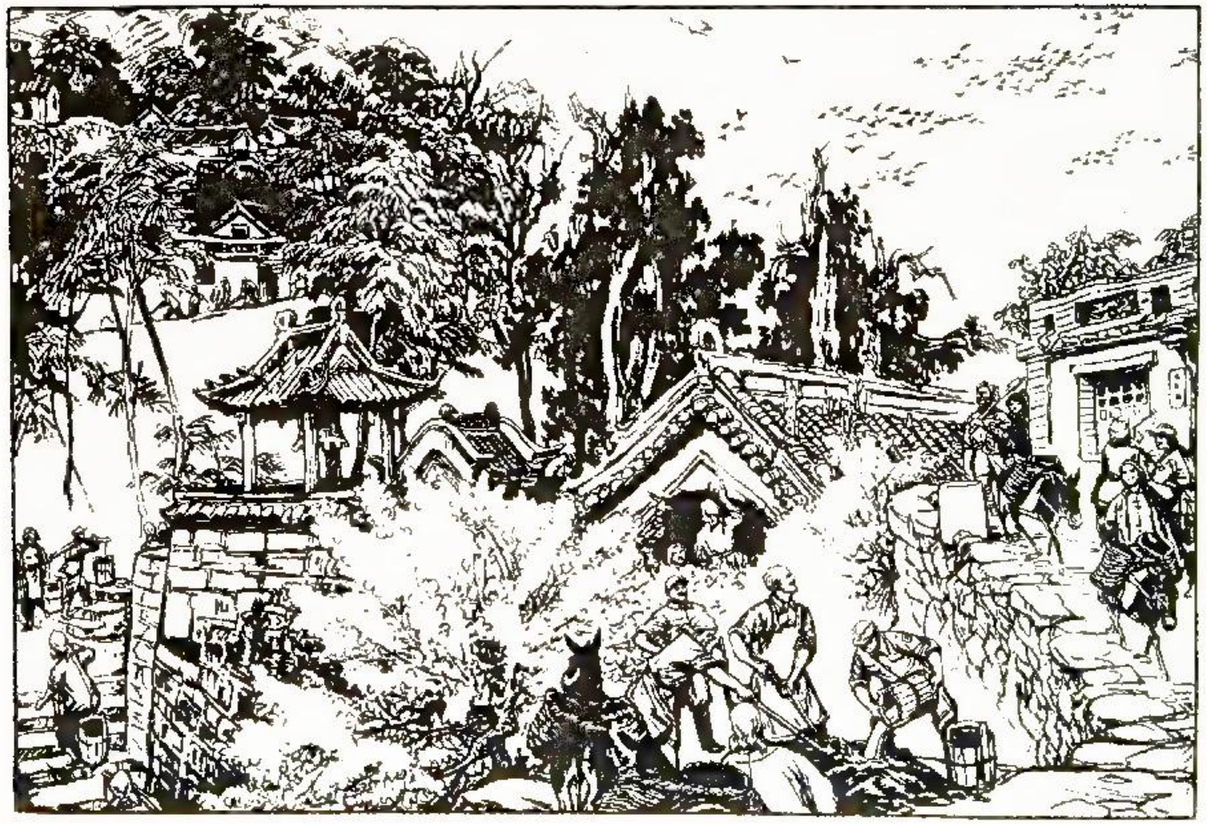
12. मिलिट्री एरिया कमांड को चेयरमैन माओ का एक निर्देश मिला जिसमें कॉमरेड बेथ्यून को मिलिट्री एरिया का मेडिकल सलाहकार नियुक्त किया गया और उन्हें 100 युआन का मासिक भत्ता दिया गया. कॉमरेड बेथ्यून ने उसी रात चेयरमैन माओ को पत्र लिखकर वहाँ के लोगों और सैनिकों के सुख-दुख में शामिल होने का वचन दिया. उन्होंने अपना भत्ता घायलों के पोषण के लिए अस्पताल को दे दिया.

13. Even in the dead of night Comrade Bethune was still hard at work. To improve the medical service, he drew up a plan for a model hospital.



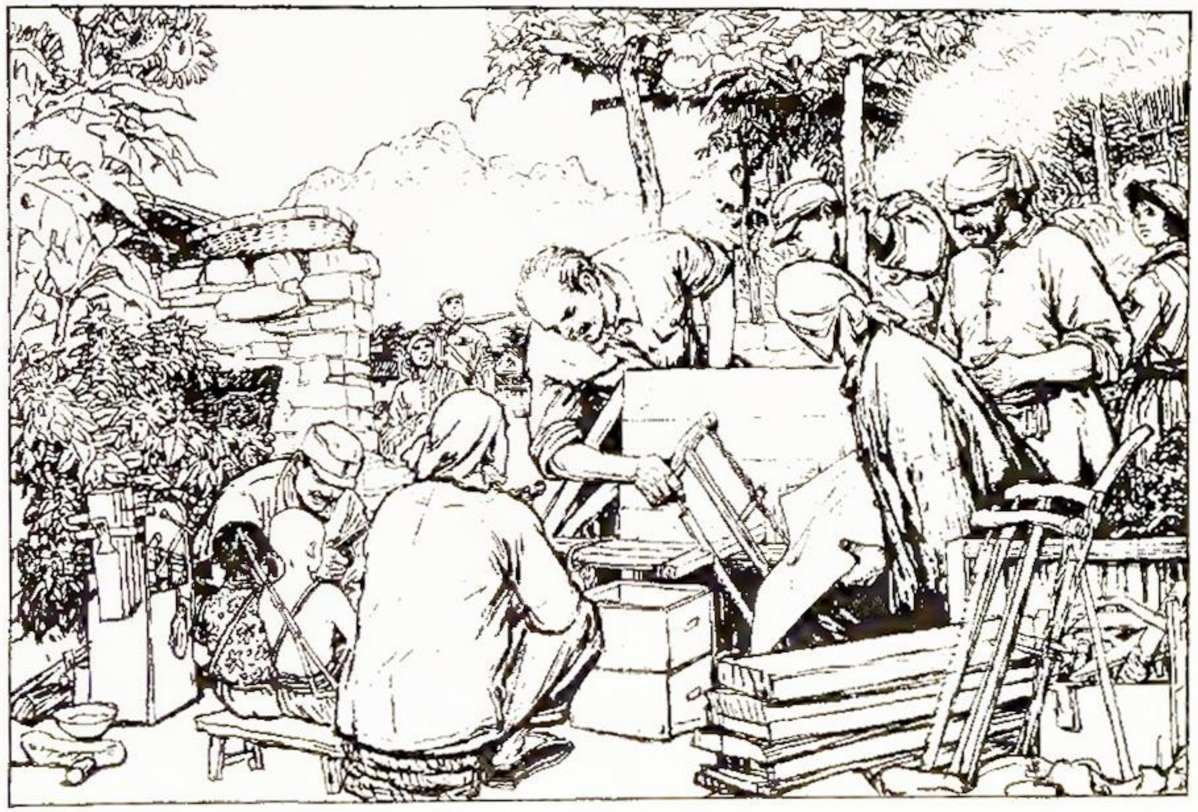
13. रात के अंधेरे में भी कॉमरेड बेथ्यून ने कड़ी मेहनत की. चिकित्सा सेवा को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने एक मॉडल अस्पताल की योजना बनाई.

14. Soon the old temple at Sungyenkou was seething with life. At Comrade Bethune's proposal, a "Five-week Campaign" was started to convert the old poorly equipped clinic into a model hospital which would be better and more permanent. Both villagers and army men took an active part in the campaign.



14. जल्द ही सुंग्येनकोऊ का पुराना मंदिर जीवन से भर गया. कॉमरेड बेथ्यून के प्रस्ताव पर, पुराने खराब ढंग से सुसज्जित क्लिनिक को एक मॉडल अस्पताल में बदलने के लिए "पांच सप्ताह का अभियान" शुरू किया गया, जिससे अस्पताल बेहतर बनता. ग्रामीणों और सेना के लोगों ने अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया.

15. Comrade Bethune got busier and busier. Besides treating the wounded, he himself made drawings and taught the carpenters how to make beds and frames for treating fractures.



15. कॉमरेड बेथ्यून लगातार व्यस्त रहे. घायलों का इलाज करने के अलावा, उन्होंने खुद चित्र बनाए और बढ़ई को फ्रैक्चर के इलाज के लिए बिस्तर और फ्रेम बनाना सिखाया.

16. Now and then, Comrade Bethune would pick up a hammer and help the blacksmiths to make medical instruments. When the comrades around asked if he used to be a worker, he said with a smile: "Well, to be a good surgeon, you have to be a blacksmith, carpenter, tailor and barber at the same time.”



16. कभी-कभी, कॉमरेड बेथ्यून हथौड़ा उठाते और लोहारों की चिकित्सा उपकरण बनाने में मदद करते. जब आसपास के साथियों ने पूछा कि क्या वह पहले एक मजदूर थे, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा: "देखो, एक अच्छा सर्जन बनने के लिए, आपको एक ही समय में लोहार, बढ़ई, दर्जी और नाई होना चाहिए."

17. With zest Comrade Bethune gave the medica] workers a series of lectures on disinfection and the treatment of wounds.



17. उत्साह के साथ कॉमरेड बेथ्यून ने चिकित्साकर्मियों को कीटाणुशोधन और घावों के उपचार पर कई व्याख्यान दिए.

18. Members of the Village Women's Association for National Salvation volunteered to make bedding and do the washing for the hospital.



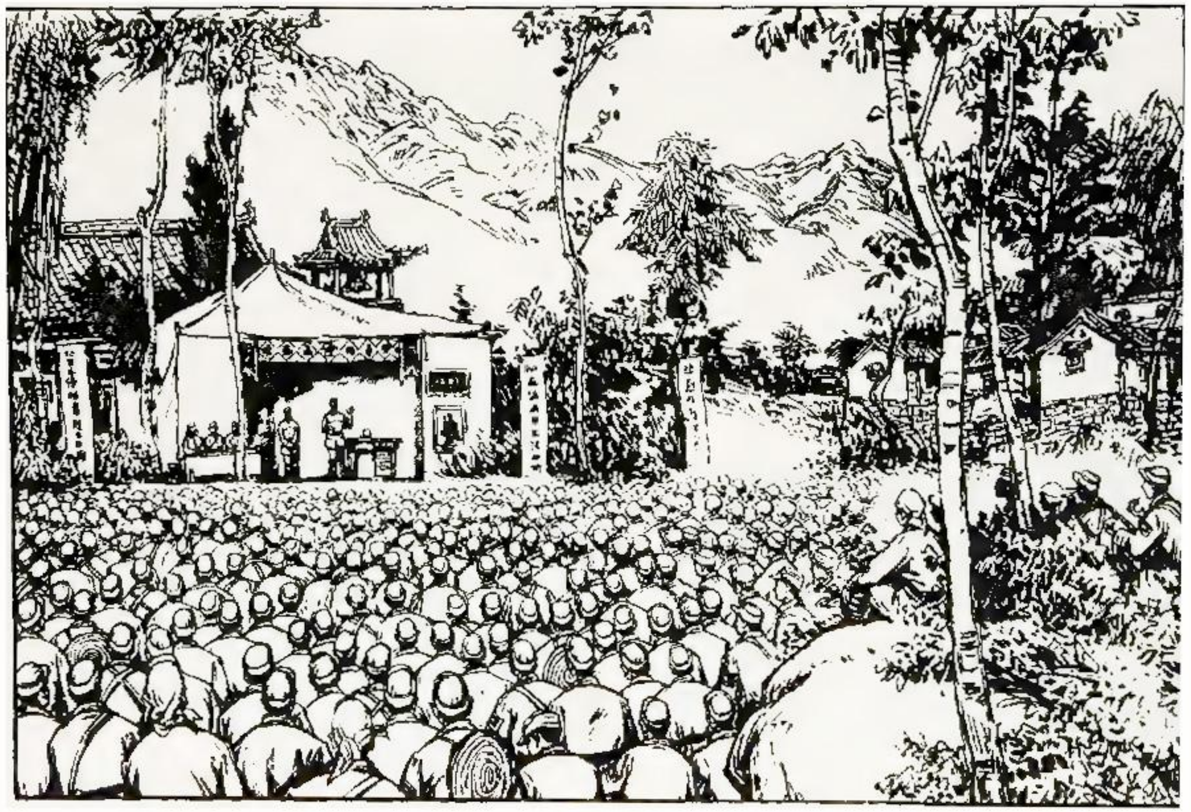
18. राष्ट्रीय मुक्ति के लिए गांव के महिला संघ की सदस्यों ने अस्पताल के लिए बिस्तर बनाने और कपड़े धोने का काम स्वेच्छा से किया.

19. On the flagstone path the wounded men had to pass every day, there was a slab missing. Seeing this, Bethune, together with his comrades, put in a new slab, for he was afraid that the wounded soldiers might fall.



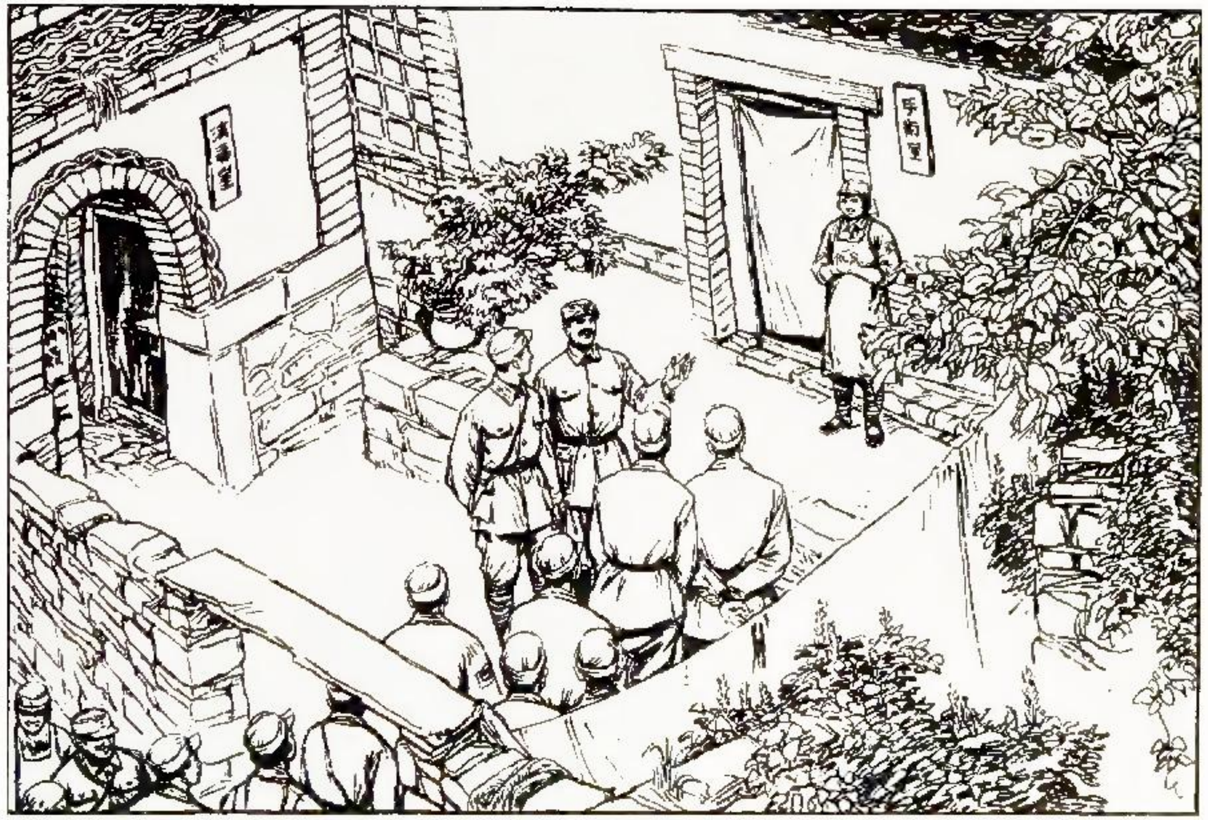
19. जिस पत्थर के रास्ते से घायल सैनिक हर दिन गुजरते थे, वहाँ एक स्लैब गायब था. यह देखकर बेथ्यून ने अपने साथियों के साथ मिलकर वहां एक नया स्लैब लगाया, क्योंकि उन्हें डर था कि वहां से घायल सैनिक कहीं गिर न जाएं.

20. It was the day of the official opening of the Model Hospital at Sungyenkou. Military Area leaders, representatives from the Border Region government and over 2,000 people turned up to celebrate the occasion. Brimming over with enthusiasm, Comrade Bethune mounted the platform and made a speech ringing with internationalism.



20. यह सुंग्येनकोऊ में मॉडल अस्पताल के आधिकारिक उद्‌घाटन का दिन था. सैन्य क्षेत्र के नेता, सीमा क्षेत्र सरकार के प्रतिनिधि और 2,000 से अधिक लोग इस अवसर का जश्न मनाने के लिए आए. उत्साह से लबरेज कॉमरेड बेथ्यून मंच पर चढ़े और उन्होंने अंतर्राष्ट्रीयता की दुहाई से भरा एक भाषण दिया.

21. The meeting over, Comrade Bethune enthusiastically showed people round the Model Hospital. The hospital was spick and span, and in perfect order. Though reconstructed with only the materials available on the spot, it already had the essentials of a model hospital.



21. मीटिंग खत्म होने के बाद, कॉमरेड बेथ्यून ने लोगों को मॉडल अस्पताल का पूरा दौरा कराया. अस्पताल एकदम साफ-सुथरा था और पूरी तरह से व्यवस्थित था. हालाँकि उपकरणों को मौजूद सामग्री से ही दुबारा से बनाया गया था, लेकिन इस मॉडल अस्पताल में सभी ज़रूरी चीज़ें मौजूद थीं.

22. Late in September, the Japanese invaders mobilized a force 30,000 strong, consisting of infantry, cavalry and artillery units. Backed by aircraft and mechanized troops, they launched an attack on the heart of the Border Region by ten routes.



22. सितंबर के आखिर में, जापानी आक्रमणकारियों ने पैदल सेना, घुड़सवार सेना और तोपखाना इकाइयों से मिलकर 30,000 की एक सेना जुटाई. विमानों और मशीनीकृत सैनिकों की मदद से, उन्होंने दस रास्तों से सीमा क्षेत्र के केंद्र पर हमला किया.

23. An order had come for the Model Hospital to move on. On horseback, as he left Sungyenkou, Comrade Bethune cast a lingering look at the Model Hospital to which he had devoted so much care. He said indignantly: "Damn those fascist marauders! They won't even leave us alone in our gully!"



23. मॉडल अस्पताल को आगे बढ़ने का आदेश मिला. घोड़े पर सवार होकर, सुंग्येनकोऊ से निकलते हुए, कॉमरेड बेथ्यून ने मॉडल अस्पताल पर एक नज़र डाली, जिसकी उन्होंने इतनी देखभाल की थी. उन्होंने गुस्से से कहा: "लानत है उन फासीवादी लुटेरों पर! वे हमें हमारी गली में भी अकेला नहीं छोड़ेंगे!"

24. Travelling over hills and mountains, Comrade Bethune passed many villages and hamlets. When he saw that the people, although menaced with the Japanese "mopping-up" campaign, were calm and militant, he was deeply moved and said to the interpreter: "The Chinese people are sure to win!"



24. पहाड़ियों और पहाड़ों पर यात्रा करते हुए, कॉमरेड बेथ्यून कई गाँवों और बस्तियों से गुज़रे. जब उन्होंने देखा कि जापानी "अभियान" से भयभीत होने के बावजूद लोग शांत और जुझारू थे, तो वे बहुत प्रभावित हुए और दुभाषिए से कहा: "चीनी के लोगों की जीत निश्चित होगी!"

25. The bloodthirsty Japanese invaders forced their way into Sungyenkou only to find the village deserted and the Model Hospital abandoned. All they could do was to ruthlessly burn down the empty houses. But they gained nothing, for our troops had already evaded the spearhead of the enemy forces and manoeuvred to their rear. At Sungyenkou the enemy were routed, leaving innumerable dead behind.



25. खून के प्यासे जापानी आक्रमणकारी जब सुंग्येनकोऊ में जबरन घुसे तो उन्होंने गांव और मॉडल अस्पताल को वीरान पाया. उन्होंने बेरहमी से केवल खाली घरों को जलाया. लेकिन उससे उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ, क्योंकि चीनी सैनिक पहले ही दुश्मन सेना को चकमा देकर उनके पीछे की ओर बढ़ गए थे. सुंग्येनकोऊ में दुश्मन को खदेड़ दिया गया और असंख्य मृत लोगों को पीछे छोड़ दिया गया.

26. The "mopping-up" campaign was victoriously beaten back. On the way Comrade Bethune saw cartloads of captured weapons and queues of war prisoners. Overjoyed, he said, "Serves those fascists right! Please tell our men to fight more fine battles like this!”



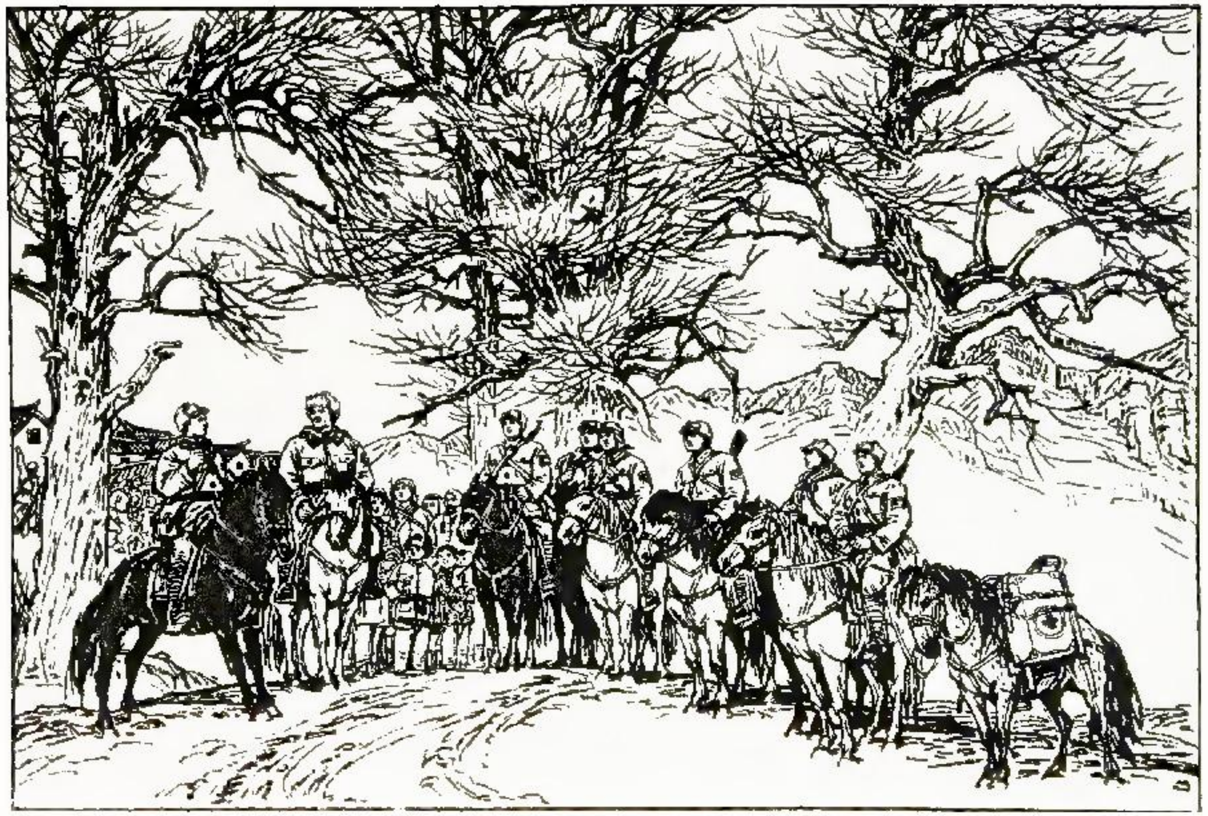
26. "अभियान" को विजयी रूप से पीछे धकेल दिया गया. रास्ते में कॉमरेड बेथ्यून ने पकड़े गए हथियारों से भरी गाड़ियाँ और युद्ध बंदियों की कतारें देखीं. बहुत खुश होकर उन्होंने कहा, "उन फासीवादियों को अब सज़ा मिली! कृपया चीनी सैनिकों से कहें कि वे इस तरह की और बेहतरीन लड़ाइयाँ लड़ें!"

27. Comrade Bethune earnestly studied Chairman Mao's “On Protracted War”. Greatly inspired by it, he said: "Right! What we're fighting now is a protracted people's war in a completely changed situation. There's no longer any distinction between the 'front' and the 'rear.' ‘We must go wherever the wounded are.’



27. कॉमरेड बेथ्यून ने चेयरमैन माओ के लेख, "ऑन प्रोट्रैक्टेड वॉर" का गंभीरता से अध्ययन किया. इससे बहुत प्रेरित होकर उन्होंने कहा: "ठीक है! अब हम जो लड़ रहे हैं वह पूरी तरह से बदली हुई स्थिति में, एक लंबा जनयुद्ध है. अब 'सामने' और 'पीछे' के बीच कोई अंतर नहीं है. 'जहाँ भी घायल लोग हैं, हमें वहाँ जाना चाहिए.'

28. At the end of the year, Comrade Bethune led a medical team to the village of Yangchiachuang.



28. वर्ष के अंत में, कॉमरेड बेथ्यून ने यांगचियाचुआंग गाँव में एक चिकित्सा दल का नेतृत्व किया.

29. Along the way they were caught in a raging northwester driving before it a blinding blizzard. Bethune's moustache was white with snowflakes. He joked: "Look! I can play Santa Claus without any make-up!" They all laughed merrily.



29. रास्ते में वे एक उग्र उत्तर-पश्चिमी हवा में फंस गए, जिसके आगे एक अंधा कर देने वाला बर्फीला तूफ़ान था. बेथ्यून की मूंछें बर्फ के टुकड़ों से सफ़ेद हो गई थीं. उन्होंने मज़ाक में कहा: "देखो! अब मैं बिना किसी मेकअप के सांता क्लॉज़ की भूमिका निभा सकता हूँ!" फिर सभी खिलखिलाकर हंस पड़े.

30. The medical team crossed several high mountains without a let-up. When they finally reached Yangchiachuang, Comrade Bethune asked to start work, at once.



30. चिकित्सा दल ने बिना रुके कई ऊँचे पहाड़ों को पार किया. जब वे आखिरकार यांगचियाचुआंग पहुँचे, तो कॉमरेड बेथ्यून ने तुरंत काम शुरू करने के लिए कहा.

31. Here Comrade Bethune turned a local clinic into a special surgery. This kind of hospital was adapted to the characteristics of guerrilla warfare, for it used the peasants' homes as wards and their *kang* sleeping ledges as sick-beds. Deeply rooted in the midst of the masses, it could never be destroyed by the enemy.



31. यहाँ कॉमरेड बेथ्यून ने एक स्थानीय क्लिनिक को एक विशेष सर्जरी कक्ष में बदल दिया. इस तरह के अस्पताल को गुरिल्ला युद्ध की विशेषताओं के अनुकूल बनाया गया था, क्योंकि इसमें किसानों के घरों को वार्ड के रूप में और उनके लटकते हुए सोने के चबूतरे को बीमारों के बिस्तर के रूप में इस्तेमाल किया जाता था. जनता के बीच गहराई से जड़े होने के कारण उसे दुश्मन कभी नष्ट नहीं कर सकते थे.

32. In order to train more medical workers to form the backbone of the medical service, Comrade Bethune started the "Practical Work Week" movement, in which the Military Area sanitary cadres were asked to join. He taught them not only by words but also by deeds. The students practised by turns, learning while working.



32. चिकित्सा सेवा की रीढ़ बनाने के लिए और अधिक से अधिक चिकित्साकर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए, कॉमरेड बेथ्यून ने "प्रैक्टिकल काम सप्ताह" आंदोलन शुरू किया, जिसमें सैन्य क्षेत्र के सैनिटरी कैडरों को शामिल होने के लिए कहा गया. उन्होंने उन्हें न केवल शब्दों से बल्कि करके भी सिखाया. छात्र बारी-बारी से अभ्यास करते थे, और काम करते हुए सीखते थे.

33. Comrade Bethune was an untiring teacher, patient and inspiring. He linked theory with practice and made his lectures vivid and easy to understand.



33. कॉमरेड बेथ्यून एक अथक शिक्षक, धैर्यवान और प्रेरक व्यक्ति थे. उन्होंने सिद्धांत को व्यवहार से जोड़ा और अपने व्याख्यानों को जीवंत और समझने में आसान बनाया.

34. During the break Comrade Bethune used to ask the students to "shave" and incise gourds so as to improve their skill in using the scalpel for operations on human skulls.



34. ब्रेक के दौरान कॉमरेड बेथ्यून छात्रों से लौकी को "शेव" करने और काटने के लिए कहते थे ताकि मानव खोपड़ी पर ऑपरेशन के लिए स्केलपेल का उपयोग करने में उनके कौशल में सुधार हो सके.

35. To improve their technique in anaesthesia, Comrade Bethune once asked the students to experiment in using a general instead of local anaesthetic when opening an abscess on his toe.



35. एनेस्थीसिया में अपनी तकनीक को बेहतर बनाने के लिए, कॉमरेड बेथ्यून ने एक बार छात्रों से अपने पैर के अंगूठे पर फोड़ा खोलते समय लोकल एनेस्थेटिक के बजाय जनरल एनेस्थेटिक का उपयोग करने का प्रयोग करने के लिए कहा.

36. The students could not but comply with his request. After the operation, Comrade Bethune smiled. "You see, if you co-ordinate the anaesthesia and operation, well, it can shorten the time of anaesthetization. In this way you can do a lot to ease the suffering of the wounded.” Everyone was greatly inspired by Comrade Bethune's spirit of constantly perfecting medical skills.



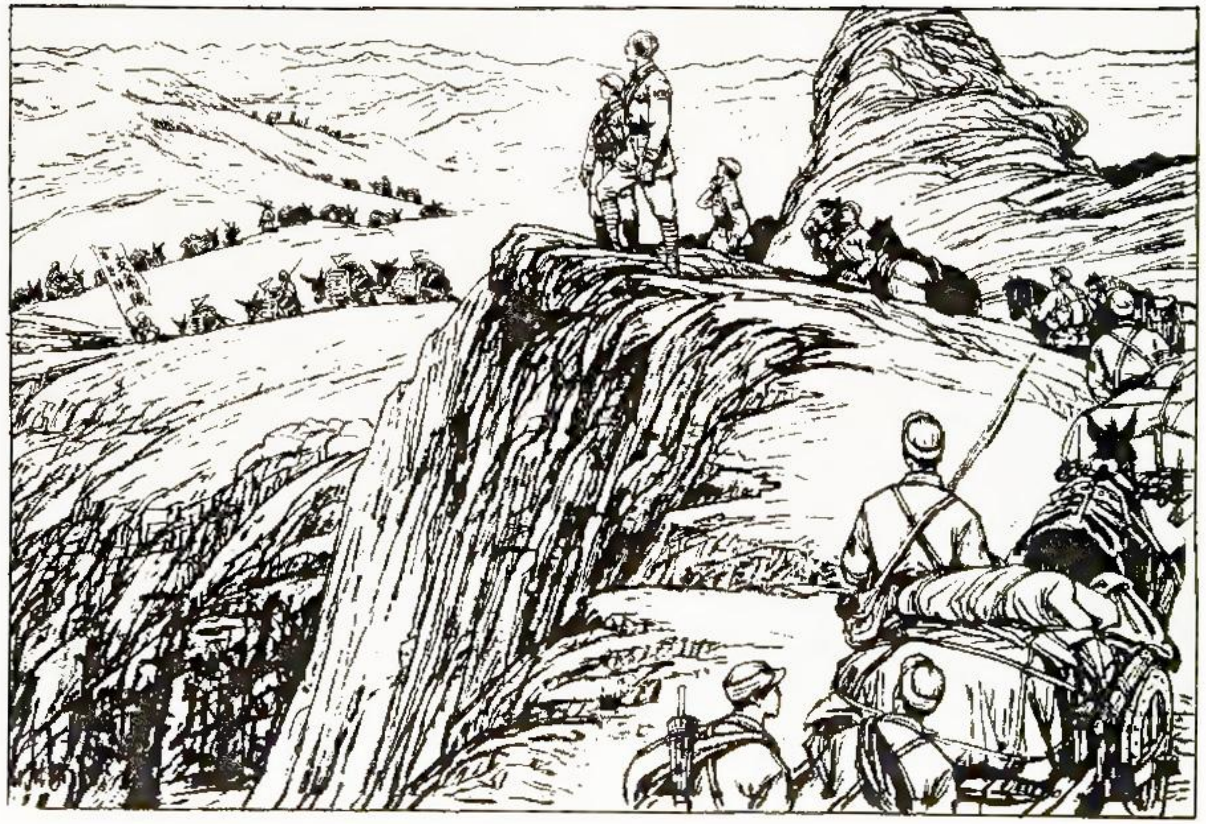
36. छात्र उनके अनुरोध को मानने के अलावा कुछ नहीं कर सकते थे. ऑपरेशन के बाद, कॉमरेड बेथ्यून मुस्कुराए. "देखिए, अगर आप एनेस्थीसिया और ऑपरेशन के बीच समन्वय करते हैं, तो यह एनेस्थेटाइजेशन का समय कम कर सकते हैं. इस तरह आप घायलों की पीड़ा को कम करने के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं." कॉमरेड बेथ्यून की चिकित्सा कौशल को लगातार निखारने की भावना से हर कोई बहुत प्रेरित था.

37. The "Practical Work Week" soon came to an end. The trainees found it hard to tear themselves away from Comrade Bethune. They had benefited a lot from the pains he had taken. They said: "We've learned more in seven days than we could in seven months of book study."



37. "प्रैक्टिकल वर्क वीक" जल्द ही समाप्त हुआ. प्रशिक्षुओं को कॉमरेड बेथ्यून से खुद को अलग करना मुश्किल लग रहा था. उन्होंने जो कष्ट सहे थे, उससे उन्हें बहुत लाभ हुआ था. उन्होंने कहा: "हमने इन सात दिनों में इतना सीख लिया है जितना हम सात महीने की किताबी पढ़ाई से नहीं सीख सकते थे."

38. "To the front! To the wounded!" At Bethune's suggestion, a mobile field medical team was set up. Day and night its members pressed forward along rough, steep mountain paths and were always ready to serve the wounded, even in the thick of the battle.



38. "सामने की ओर! घायलों के लिए!" बेथ्यून के सुझाव पर, एक मोबाइल फील्ड मेडिकल टीम की स्थापना की गई. दिन-रात इसके सदस्य ऊबड़-खाबड़, खड़ी पहाड़ी पगडंडियों पर आगे बढ़ते थे और युद्ध के दौरान घायलों की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहते थे.

39. To meet the particular requirements of guerrilla warfare, Bethune tried to improve the method of carrying medicine and medical equipment. One day he happened to see a villager coming along with a donkey. Slung across its back was a pair of panniers filled with manure. Bethune shouted happily, "Hurray, I've got it."



39. गुरिल्ला युद्ध की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, बेथ्यून ने दवा और चिकित्सा उपकरण ले जाने के तरीके में सुधार करने की कोशिश की. एक दिन उन्होंने एक ग्रामीण को गधे के साथ आते देखा. उसकी पीठ पर गोबर की खाद से भरी एक जोड़ी थैले लटके हुए थे. बेथ्यून खुशी से चिल्लाए, "हुर्रे, मुझे हल मिल गया."

40. With the panniers as a model, Bethune devised a bridge-shaped container that could hold everything needed for an operating room and a dressing station. It could serve as a table for dressing wounds when unfolded. And when folded up it could be carried like saddle-bags. All the comrades spoke highly of this invention.



40. थैलों को एक मॉडल के रूप में लेकर, बेथ्यून ने एक पुल के आकार का कंटेनर तैयार किया, जिसमें एक ऑपरेटिंग रूम और ड्रेसिंग स्टेशन के लिए आवश्यक सभी चीजें रखी जा सकती थीं. उसे खोलने पर वो घावों की ड्रेसिंग के लिए एक टेबल के रूप में काम कर सकता था. और मोड़ने पर उसे काठी की तरह ले जाया जा सकता था. सभी साथियों ने उनके इस आविष्कार की बहुत प्रशंसा की.

41. Without eating for his own safety, Comrade Bethune led the mobile medical team to the front, where they would often work in the midst of the battle.



41. अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, कॉमरेड बेथ्यून मोबाइल मेडिकल टीम को मोर्चे पर ले गए, जहाँ वे अक्सर युद्ध के बीच में काम करते थे.

42. In February 1939, a fierce battle was reported in central Hopei. Comrade Bethune asked to be sent there. The request was granted immediately. Soon an "East Expeditionary Medical Team" was formed. It headed for central Hopei.



42. फरवरी 1939 में, मध्य होपेई में एक भयंकर युद्ध की सूचना मिली. कॉमरेड बेथ्यून ने वहाँ जाने का अनुरोध किया. अनुरोध तुरंत स्वीकार कर लिया गया. जल्द ही एक "पूर्व अभियान चिकित्सा दल" का गठन किया गया. वो मध्य होपेई की ओर बढ़ गया.

43. Across the vast plain of central Hopei the name of Dr. Bethune went from mouth to mouth. One night in April, when a battle had started at Chihui, Comrade Bethune took the medical team to Wenchiatun, a village only three and a half kilometres from the battle front. Here in a small temple, he soon had the operating room ready for the wounded.



43. मध्य होपेई के विशाल मैदान में डॉ. बेथ्यून का नाम लोगों को रट गया. अप्रैल की एक रात, जब चिहुई में युद्ध शुरू हो गया था, कॉमरेड बेथ्यून चिकित्सा दल को, युद्ध के मोर्चे से केवल साढ़े तीन किलोमीटर दूर एक गाँव वेंचियाटुन ले गए. यहाँ एक छोटे से मंदिर में, उन्होंने घायलों के लिए जल्द ही ऑपरेशन कक्ष तैयार किया.

44. With enemy planes circling overhead, machine-guns barking and hand-grenades bursting all round, Comrade Bethune concentrated all his attention on the wounded. He had been working like that for two days and nights on end.



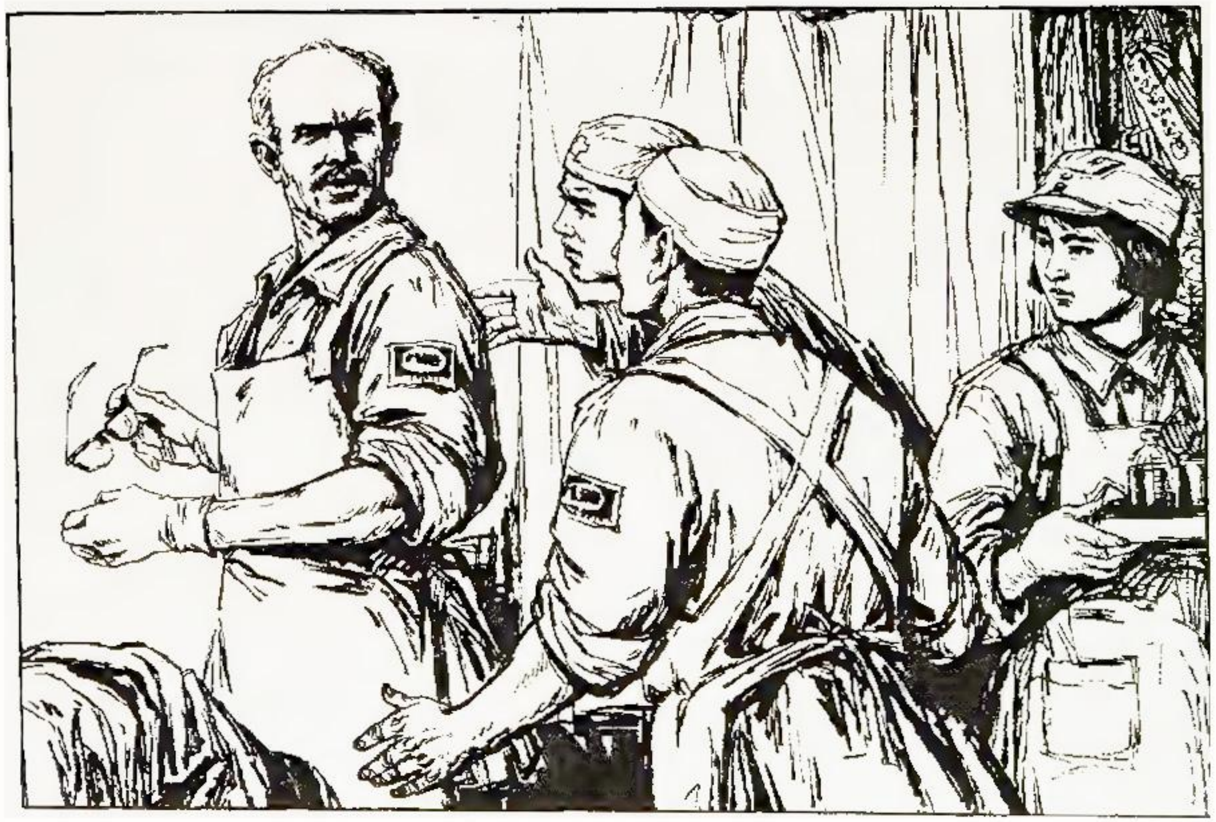
44. दुश्मन के विमानों के ऊपर चक्कर लगाते हुए, मशीन-गनों की आवाज़ और चारों ओर हथगोले फूटते हुए, कॉमरेड बेथ्यून ने अपना पूरा ध्यान घायलों पर केंद्रित किया. वह लगातार दो दिन और रात तक उसी तरह काम करते रहे.

45. Boom! A bomb suddenly exploded near the temple. The whole building shook violently and the back wall crumbled.



45. धमाका! मंदिर के पास अचानक एक बम फटा. पूरी इमारत जोर से हिल गई और पीछे की दीवार ढह गई.

46. Dr. Bethune's comrades urged him to take shelter, but he refused, saying: "In making revolution, in fighting the fascists, no one should think of his own safety. A Communist Party member must never put himself first."



46. डॉ. बेथ्यून के साथियों ने उनसे छिपने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए मना कर दिया: "क्रांति करने में, फासीवादियों से लड़ने में, किसी को भी अपनी सुरक्षा के बारे में नहीं सोचना चाहिए. कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य को कभी भी खुद अपनी सुरक्षा को पहले नहीं रखना चाहिए."

47. Night fell and Bethune was still at his operating table. He had been working there without a break for a long time. Tears of anxiety came into the eyes of his orderly, who had heated his supper over and over again.



47. रात हो गई और बेथ्यून अभी भी अपनी ऑपरेटिंग टेबल पर थे. वह लंबे समय से बिना रुके वहां काम कर रहे थे. उससे उनके अर्दली की आँखों में चिंता के आँसू आ गए, जिसने बार-बार उनका खाना गर्म किया था.

48. In the battle, a Company Commander Hsu was seriously wounded in the stomach while leading a heroic charge against the enemy.

49. In spite of the acute pain, Company Commander Hsu remained at his post till victory was won.

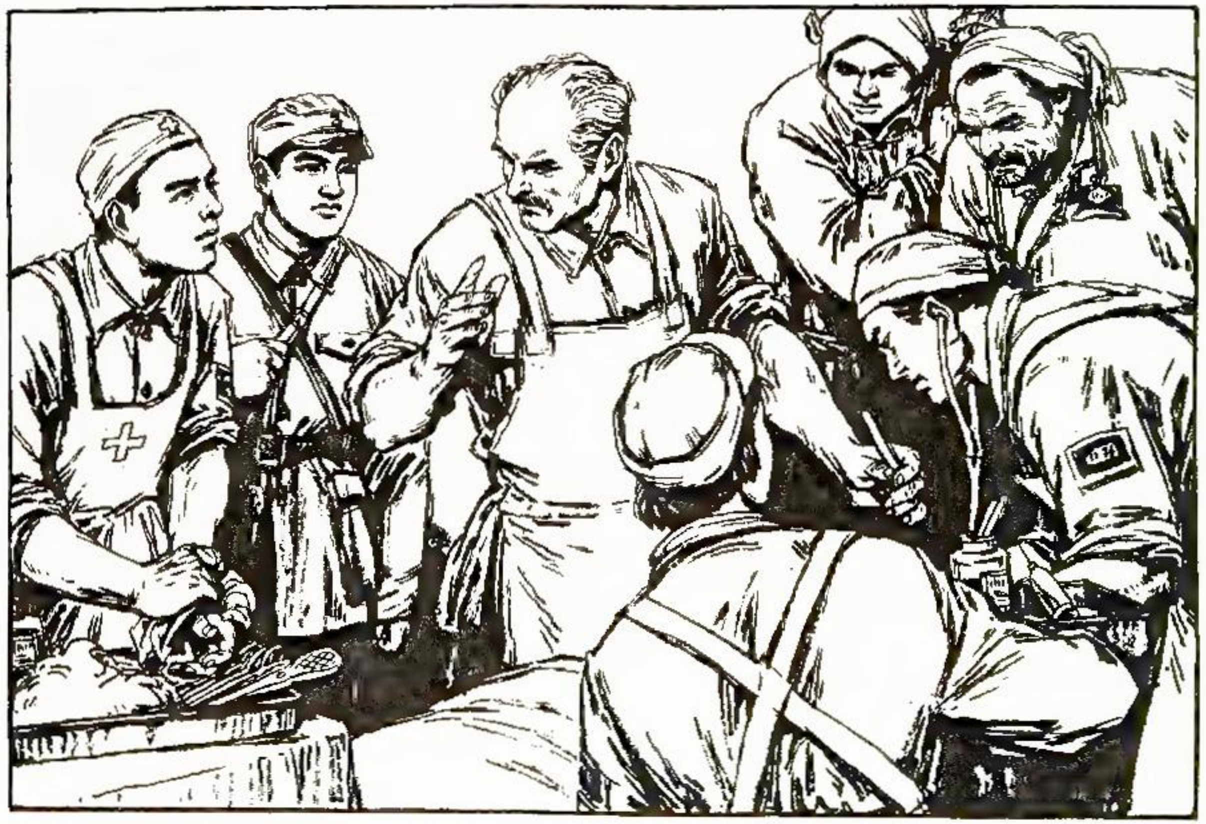




48. लड़ाई में, एक कंपनी कमांडर - ह्सू दुश्मन के खिलाफ एक वीरतापूर्ण हमले का नेतृत्व करते हुए पेट में गंभीर रूप से घायल हो गए थे.

49. तीव्र दर्द के बावजूद, कंपनी कमांडर ह्सू जीत हासिल होने तक अपने स्थान पर बने रहे.

50. The stretcher-bearers took Hsu to the operating room for immediate treatment. When Bethune found that Hsu's intestines had been pierced in ten places, he said admiringly to his comrades, "He's a good, daring lad. I feel happy and honoured to be able to serve fighters like him."



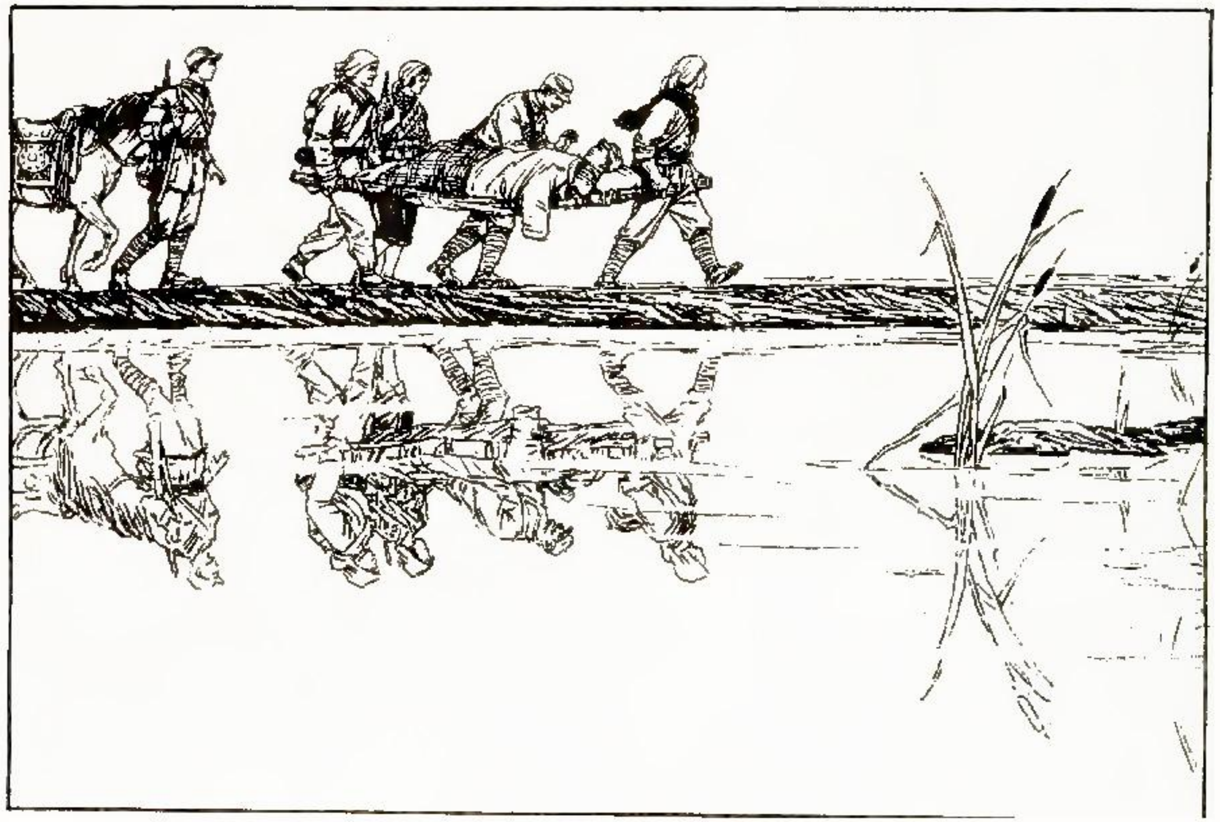
50. स्ट्रेचर-वाहक हसू को तत्काल उपचार के लिए ऑपरेटिंग रूम में ले गए. जब बेथ्यून को पता चला कि हसू की आंतें दस जगहों पर छेदी गई हैं, तो उन्होंने अपने साथियों से प्रशंसापूर्वक कहा, "वह एक अच्छा, साहसी लड़का है. मैं उसके जैसे लड़ाकों की सेवा करके मैं खुद को खुश और सम्मानित महसूस करता हूं."

51. The battle ended in victory. In the rush to rescue the wounded, Dr. Bethune worked for three days and nights without rest. Because of his timely treatment, 85 per cent of the wounded recovered. He said happily: "Time means life for our class brothers."



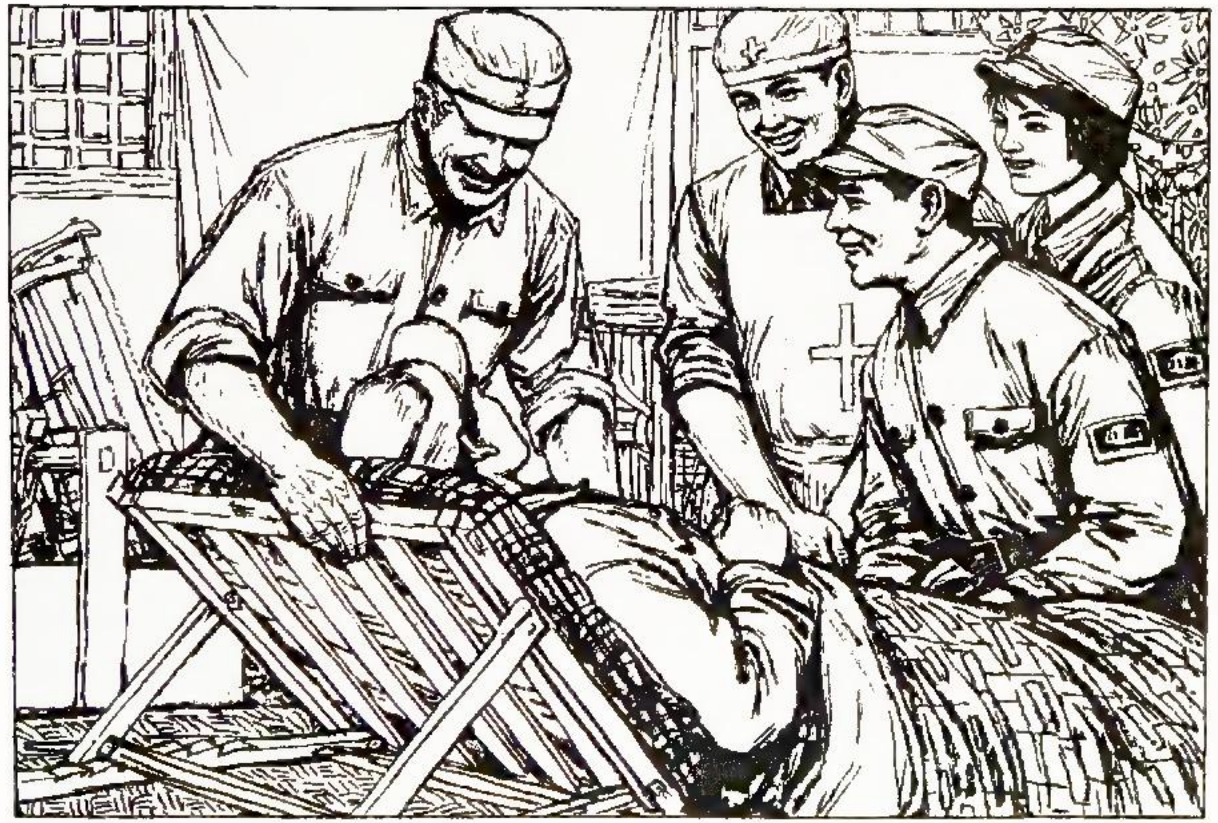
51. युद्ध में विजय प्राप्त हुई. घायलों को बचाने की जल्दी में, डॉ. बेथ्यून ने बिना आराम किए तीन दिन और रात तक काम किया. समय पर उपचार के कारण, 85 प्रतिशत घायल ठीक हो गए. उन्होंने खुशी से कहा: "हमारे भाइयों के लिए समय का मतलब जीवन है."

52. Comrade Bethune escorted Hsu and several other badly wounded soldiers to the rear hospital. On the way he would now and then ask about how they were feeling. When the men, full of gratitude, replied: "Fine!" Bethune said with a broad smile, "When you tell me you're fine, I've nothing to worry about."



52. कॉमरेड बेथ्यून ने हसू और कई अन्य बुरी तरह से घायल सैनिकों को पीछे के अस्पताल में पहुंचाया. रास्ते में वे बीच-बीच में उनसे पूछते थे कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं. जब कृतज्ञता से भरे सैनिक उत्तर देते: "ठीक है!" तब बेथ्यून एक बड़ी मुस्कान के साथ कहते , "जब आप कहते हैं कि आप ठीक हैं, फिर मुझे चिंता करने की कोई बात नहीं है."

53. In the rear hospital, Bethune rigged up a backrest for Company Commander Hsu. said to the other doctors: "A man wounded in the belly finds it hard to breathe. This way he'll be more comfortable."



53. पीछे के अस्पताल में, बेथ्यून ने कंपनी कमांडर हसू के लिए एक बैक-रेस्ट तैयार किया. अन्य डॉक्टरों से कहा: "पेट में घायल व्यक्ति को सांस लेने में कठिनाई होती है. इस तरह वह अधिक आराम महसूस करेगा."

54. Every day Comrade Bethune personally prepared four meals for Hsu. When the cook offered to do the job, he said, “I think I'd better do it myself, as I know my patients better. Medical treatment isn't all that's necessary. When a suitable diet is combined with it, recovery is quicker."



54. हर दिन कॉमरेड बेथ्यून, हसू के लिए व्यक्तिगत रूप से चार बार खाना तैयार करते. जब रसोइए ने काम करने की पेशकश की, तो उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मुझे खुद ही यह काम करना चाहिए, क्योंकि मैं अपने मरीजों को बेहतर जानता हूँ. चिकित्सा उपचार ही सब कुछ नहीं होता है. जब इलाज में उपयुक्त आहार भी शामिल होगा, तो रिकवरी जल्दी होगी."

55. When the food was ready, Comrade Bethune would bring it to Company Commander Hsu. Spoon-feeding him, he would say, "Here, another bite. When you pull through, you'll be able to kill more enemy soldiers.” With tears in his eyes, Company Commander Hsu could hardly find words to express his gratitude.



55. जब खाना तैयार हो जाता, तो कॉमरेड बेथ्यून उसे कंपनी कमांडर हसू के पास ले आते. उसे चम्मच से खिलाते हुए वे कहते, "यह लो, एक और निवाला. जब तुम ठीक हो जाओगे, फिर तुम और भी दुश्मन सैनिकों को मार पाओगे." आँखों में आँसू लिए कंपनी कमांडर हसू को अपना आभार व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं मिलते थे.

56. Thanks to Bethune's meticulous treatment and care, Hsu soon got well and was ready to go back to the front. On leaving, Hsu said, his eyes brimming over with tears, "Dr. Bethune, when I get back to the front, I'll kill more of the enemy."



56. बेथ्यून के सावधानीपूर्वक उपचार और देखभाल की बदौलत हसू जल्द ही ठीक हो गया और वापस मोर्चे पर जाने के लिए तैयार हो गया. जाते समय, हसू ने आँखों में आँसू भरते हुए कहा, "डॉ. बेथ्यून, जब मैं मोर्चे पर वापस जाऊँगा, तो मैं और भी दुश्मनों को मारूंगा."

57. One day a severely wounded soldier who was to undergo an amputation urgently needed a blood transfusion, All the comrades volunteered to offer him blood.



57. एक दिन एक गंभीर रूप से घायल सैनिक को, जिसका अंग काटा जाना था, तत्काल रक्त की आवश्यकता थी, सभी साथियों ने स्वेच्छा से उसे रक्त देने की पेशकश की.

58. But Comrade Bethune shook his head, saying, "You donated your blood only a couple of days ago. It's my turn now. My blood type is Universal Group O, good for any patient." When he stretched out his arm the comrades said: "That won't do. Think of your age…. Comrade Bethune said: "Listen. Our men at the front are ready to shed all their blood for the country and the people. I think I ought to give some of mine, too."



58. लेकिन कॉमरेड बेथ्यून ने अपना सिर हिलाते हुए कहा, "आपने कुछ दिन पहले ही अपना रक्त दान किया है. अब मेरी बारी है. मेरा रक्त समूह यूनिवर्सल ग्रुप "ओ" है, जो किसी भी रोगी के लिए अच्छा है." जब उन्होंने अपना हाथ आगे बढ़ाया तो साथियों ने कहा: "यह ठीक नहीं होगा. आप अपनी उम्र के बारे में सोचें..., कॉमरेड बेथ्यून ने कहा: "सुनो. मोर्चे पर हमारे लोग देश के लिए अपना सारा खून बहाने के लिए तैयार हैं. मुझे लगता है कि मुझे भी अपना कुछ खून देना चाहिए."

59. Comrade Bethune lay down beside the wounded soldier and said: "Come on! There's no time to lose in rescuing the wounded!" So, the blood of Comrade Norman Bethune, proletarian internationalist fighter and worthy son of the Canadian people, ran into the veins of the Chinese fighter and saved his life.



59. कॉमरेड बेथ्यून घायल सैनिक के पास लेट गए और कहा: "चलो! घायलों को बचाने में समय बर्बाद करने का कोई मतलब नहीं है!" इसलिए, सर्वहारा अंतर्राष्ट्रीयतावादी योद्धा और कनाडाई लोगों के योग्य बेटे कॉमरेड नॉर्मन बेथ्यून का खून, चीनी योद्धा की नसों में चला गया और उसकी जान बच गई.

60. The story of Comrade Bethune giving his blood to a wounded 8th Route Army man soon spread far and wide. A volunteer Blood Donor Corps was quickly organized by the masses. Deeply moved, Comrade Bethune said: "The masses are our blood bank. This is something unknown in the history of surgery."



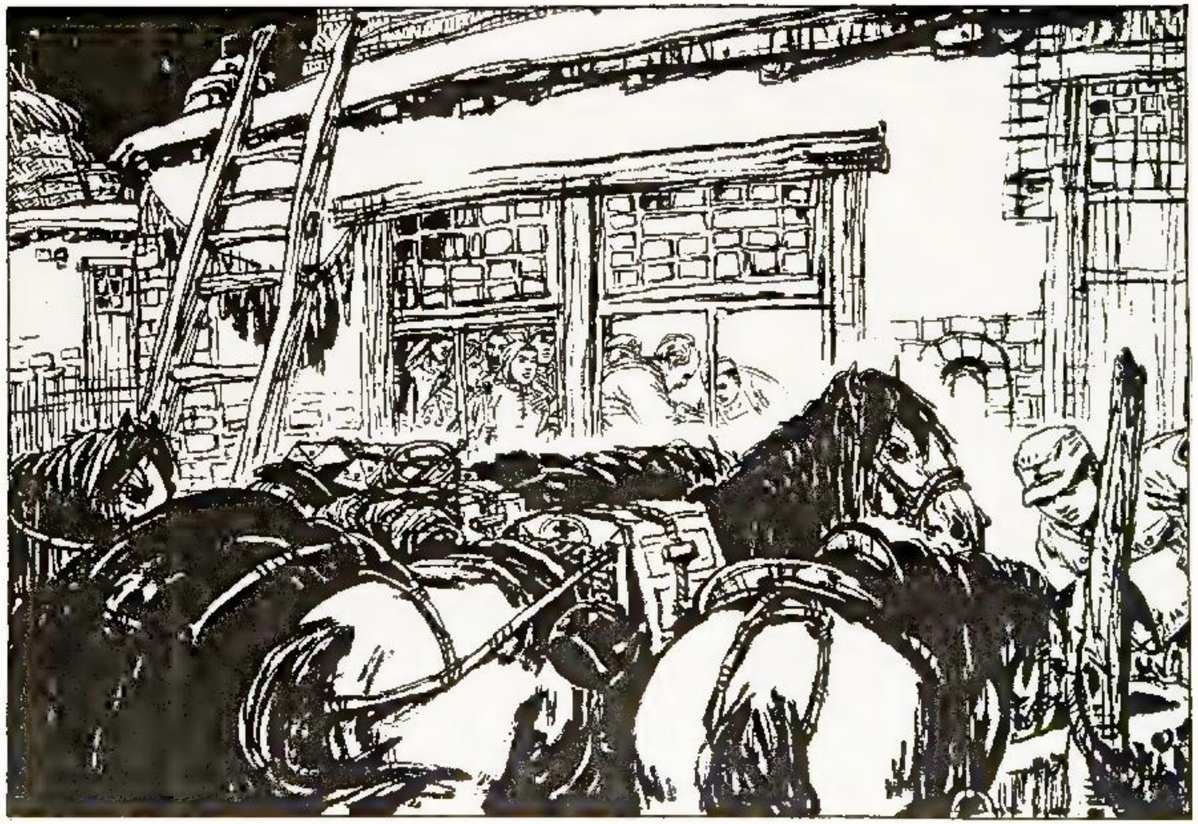
60. कॉमरेड बेथ्यून द्वारा 8वीं रूट आर्मी के एक घायल जवान को अपना खून देने की कहानी जल्द ही दूर-दूर तक फैल गई. जनता द्वारा एक स्वयंसेवी रक्तदाता दल का गठन किया गया. बहुत प्रभावित होकर कॉमरेड बेथ्यून ने कहा: "जनता ही हमारा रक्त बैंक है. सर्जरी के इतिहास में ऐसी बात पहले कभी नहीं हुई है."

61. Towards the end of April, Comrade Bethune learned that a few dozen wounded 8th Route Army men were hidden in Ssukung Village near the enemy blockade line. He offered to go and look after them. As it was a danger spot where the enemy might turn up at any moment, the leadership tried to talk him out of it, but in vain. Finally, it was decided that the medical team should set off at night, with an escort unit.



61. अप्रैल के अंत में, कॉमरेड बेथ्यून को पता चला कि दुश्मन की नाकाबंदी रेखा के पास सुकुंग गांव में 8वीं रूट आर्मी के कुछ दर्जन घायल सैनिक छिपे हुए थे. उन्होंने जाकर उनकी देखभाल करने की पेशकश की. चूंकि यह एक खतरनाक जगह थी, जहां दुश्मन किसी भी समय आ सकता था, इसलिए कमांडर ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन सब व्यर्थ हुआ. अंत में, यह निर्णय लिया गया कि चिकित्सा दल को, एक रक्षा इकाई के साथ, रात में ही रवाना होना चाहिए.

62. The team got to Ssukung Village safely. Comrade Bethune had been busy the whole day, but there was still a lot left to do. At night, in order to be on guard against any surprise attack by the enemy, Comrade Bethune and his men slept with their clothes on, and kept their horses saddled, so that they could move off at a moment's notice.



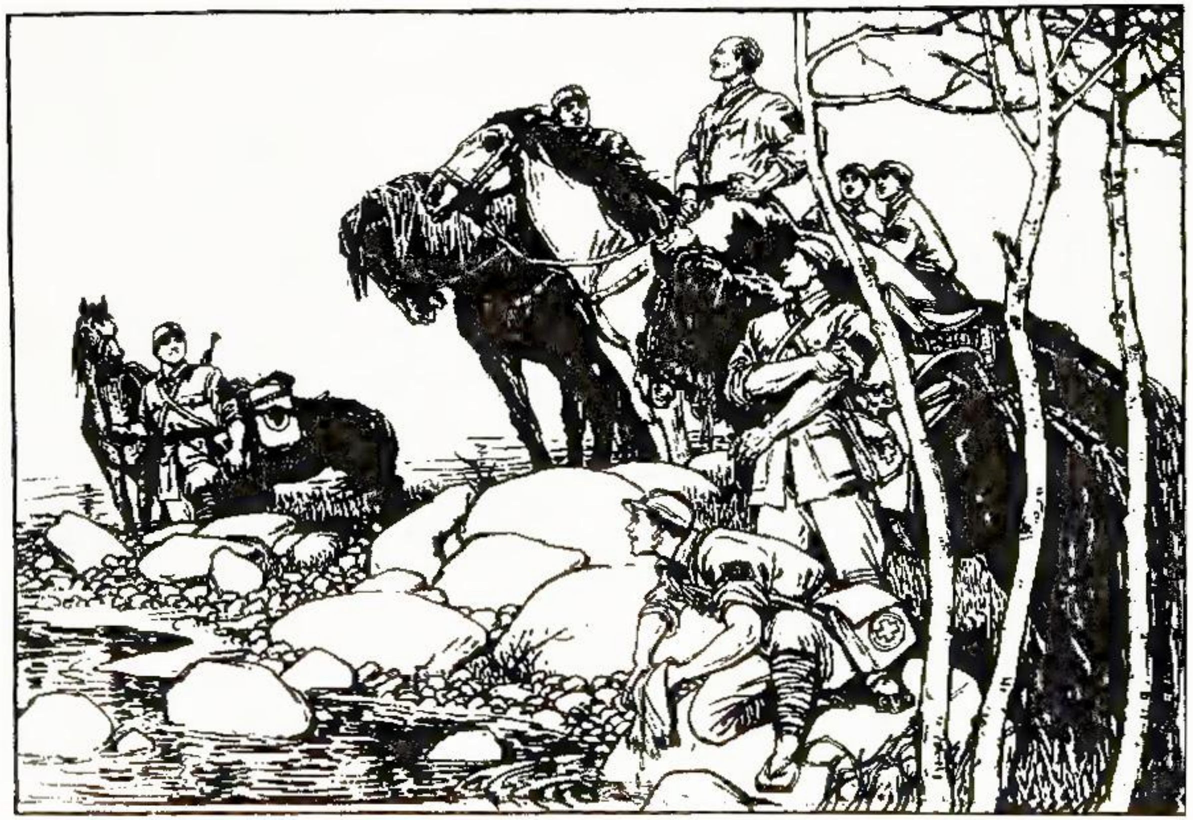
62. दल सुरक्षित रूप से सुकुंग गांव पहुंच गया. कॉमरेड बेथ्यून पूरे दिन व्यस्त रहे, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी था. रात में, दुश्मन के किसी भी आश्चर्यजनक हमले से बचने के लिए, कॉमरेड बेथ्यून और उनके लोग, अपने कपड़े पहने हुए सोते थे, और अपने घोड़ों पर काठी बांधे रखते थे, ताकि वे एक पल की सूचना पर निकल सकें.

63. At dawn the next day, a peasant came across a group of enemy soldiers to the west of the village. One shouted at him, "Where's Ssukung Village?" The peasant shrewdly pointed northwest: "It's over there!" Having thus misdirected the enemy, he ran as fast as he could back to the village and told the medical team what had happened.



63. अगले दिन भोर में, एक किसान गांव के पश्चिम में, दुश्मन सैनिकों की एक टोली से मिला. उनमें से एक उस पर चिल्लाया और पूछा, "सुकुंग कहां है? गाँव?" किसान ने चतुराई से उत्तर-पश्चिम की ओर इशारा किया: "वह वहाँ है!" इस तरह दुश्मन को गुमराह करके, उससे जितनी जल्दी हो सका वो गाँव की ओर भागा और उसने सारी बात मेडिकल टीम को बताई.

64. In a quarter of an hour or so the medical team was out of Ssukung and the wounded were safely hidden by the people. Comrade Bethune said with feeling: "The 8th Route Army is like fish in the ocean of the people. An army like that is invincible!''



64. लगभग एक चौथाई घंटे में मेडिकल टीम सुकुंग से बाहर आ गई और घायलों को लोगों ने सुरक्षित तरीके से छिपा दिया. कॉमरेड बेथ्यून ने भावुक होकर कहा: "8वीं रूट की सेना लोगों के समुद्र में मछली की तरह है. ऐसी सेना अजेय है!"

65. For four months Comrade Bethune worked in the central Hopei plain, leaving a profound impression on the people and army men there. The Party Committee of the Shansi-Chahar-Hopei Border Region invited him to attend the coming Party Congress as an observer. Comrade Bethune, gladly accepting the invitation, hurried back to western Hopei.



65. चार महीने तक कॉमरेड बेथ्यून ने केंद्रीय होपेई मैदान में काम किया, और वहाँ के लोगों और सेना के जवानों पर गहरी छाप छोड़ी. शांसी-चाहर-होपेई सीमा क्षेत्र की पार्टी समिति ने उन्हें आगामी पार्टी कांग्रेस में पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया. कॉमरेड बेथ्यून ने निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया और पश्चिमी होपेई की ओर जल्दी से वापस चले.

66. One evening the medical team came to a village near enemy-occupied Chingfengtien. They were about to break through the blockade line when Bethune came across a peasant who had a pus infection in his chest. He promptly told his comrades to halt, so that he could operate at once.



66. एक शाम चिकित्सा दल दुश्मन के कब्जे वाले चिंगफेंगटियन के पास एक गाँव में आया. वे नाकाबंदी रेखा को तोड़ने ही वाले थे कि बेथ्यून की नज़र एक किसान पर पड़ी जिसके सीने में मवाद का संक्रमण था. उसने तुरंत अपने साथियों को रुकने के लिए कहा, ताकि वह तुरंत ऑपरेशन कर सकें.

67. The village was very close to the Peiping-Hankow Railway, then tightly blockaded by enemy troops. For security's sake the escort troops sealed off this area with the help of the local underground Party organization. It took Dr. Bethune only 20 minutes to finish the operation. As everything came off satisfactory, the peasant was overwhelmed with gratitude.



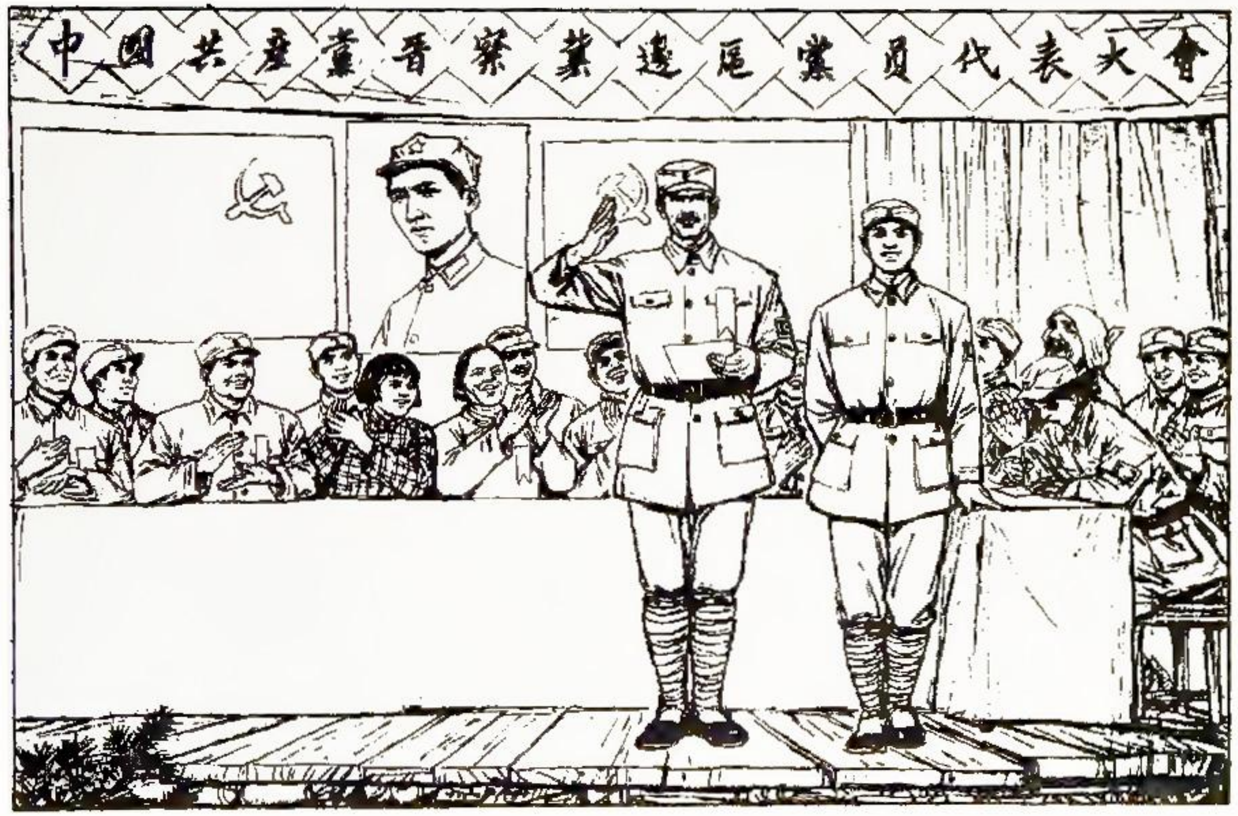
67. यह गाँव पीपिंग-हान्को रेलवे के बहुत करीब था, जिसकी उस समय दुश्मन सैनिकों द्वारा पूरी तरह से नाकाबंदी की गई थी. सुरक्षा के लिए सैनिकों ने स्थानीय भूमिगत पार्टी संगठन की मदद से इस क्षेत्र को सील कर दिया था. डॉ. बेथ्यून को ऑपरेशन पूरा करने में केवल 20 मिनट लगे. जब सब कुछ संतोषजनक निकला, तो किसान कृतज्ञता से अभिभूत हो गया.

68. Escorted by the masses, the medical team succeeded in running the blockade.



68. जनता द्वारा चुना, चिकित्सा दल नाकाबंदी को खत्म करने में सफल रहा.

69. On July 1, Comrade Bethune attended the Party Congress of the Border Region. At the meeting he said passionately, "The war you are waging is a just one. You are by no means alone. The people all over the world are on your side. . .



69. 1 जुलाई को, कॉमरेड बेथ्यून ने सीमा क्षेत्र की पार्टी कांग्रेस में भाग लिया. बैठक में उन्होंने जोश से कहा, "आप जो युद्ध कर रहे हैं, वह न्यायपूर्ण है. आप किसी भी तरह से अकेले नहीं हैं. पूरी दुनिया के लोग आपके साथ हैं. ...

70. Not long afterwards Comrade Bethune moved to Shenpei Village where he worked day and night on “A Manual of Organization and Technique for Divisional Field Hospitals in Guerrilla War”. The book, written in the light of Chairman Mao's strategic thinking, summed up experience of medical treatment on the battlefield. It was a valuable gift to the Chinese people.



70. इसके कुछ समय बाद ही कॉमरेड बेथ्यून शेनपेई गांव चले गए, जहां उन्होंने दिन-रात "गुरिल्ला युद्ध में डिवीजनल फील्ड हॉस्पिटल्स के लिए संगठन और तकनीक की एक पुस्तिका" पर काम किया. चेयरमैन माओ की रणनीतिक सोच से प्रभावित लिखी गई इस पुस्तक में युद्ध के मैदान में चिकित्सा उपचार के अनुभव का सारांश दिया गया था. यह चीनी लोगों के लिए एक मूल्यवान उपहार था.

71. Though always on the move in this wartime situation, Comrade Bethune gave medical care not only to the wounded soldiers but also to the people. So, the people affectionately called him "Our Doctor Bethune."



71. युद्ध के समय हमेशा चलते रहने के बावजूद, कॉमरेड बेथ्यून ने न केवल घायल सैनिकों को बल्कि आम लोगों को भी चिकित्सा सेवा प्रदान की. इसलिए, लोग उन्हें प्यार से "हमारा डॉक्टर बेथ्यून" कहते थे.

72. One day, Dr. Bethune went to Hochiachuang. Before entering the village, he saw a peasant with a badly swollen arm that bothered him terribly. He went right up to the peasant and took him to the clinic.



72. एक दिन, डॉ. बेथ्यून होचियाचुआंग गए. गांव में प्रवेश करने से पहले, उन्होंने एक किसान को बुरी तरह सूजे हुए हाथ के साथ देखा, जो उसे बहुत परेशान कर रहा था. वे सीधे किसान के पास गए और उसे क्लिनिक ले गए.

73. When the operation was over, Comrade Bethune said to the peasant: "Please tell the villagers I'm a doctor of the 8th Route Army. Tell them to come to me whenever they are ill."



73. जब ऑपरेशन खत्म हो गया, तो कॉमरेड बेथ्यून ने किसान से कहा: "कृपया गांव वालों से कहो कि मैं 8वीं रूट आर्मी का डॉक्टर हूं. उनसे कहो कि जब भी वे बीमार हों, मेरे पास आएं."

74. Two days later Comrade Bethune called at the peasant's home to give his arm a new dressing. The peasant said with deep emotion: "Oh, Dr. Bethune, I don't know how to thank you enough." Bethune promptly replied: "No need to thank me. It's the 8th Route Army you should thank.”



74. दो दिन बाद कॉमरेड बेथ्यून किसान के घर उसके हाथ पर नई पट्टी बांधने गए. किसान ने गहरी भावना के साथ कहा: "ओह, डॉ. बेथ्यून, मैं आपका धन्यवाद कैसे करूं, यह नहीं जानता." बेथ्यून ने तुरंत जवाब दिया: "मुझे धन्यवाद देने की कोई ज़रूरत नहीं है. आपको 8वीं रूट आर्मी को धन्यवाद देना चाहिए."

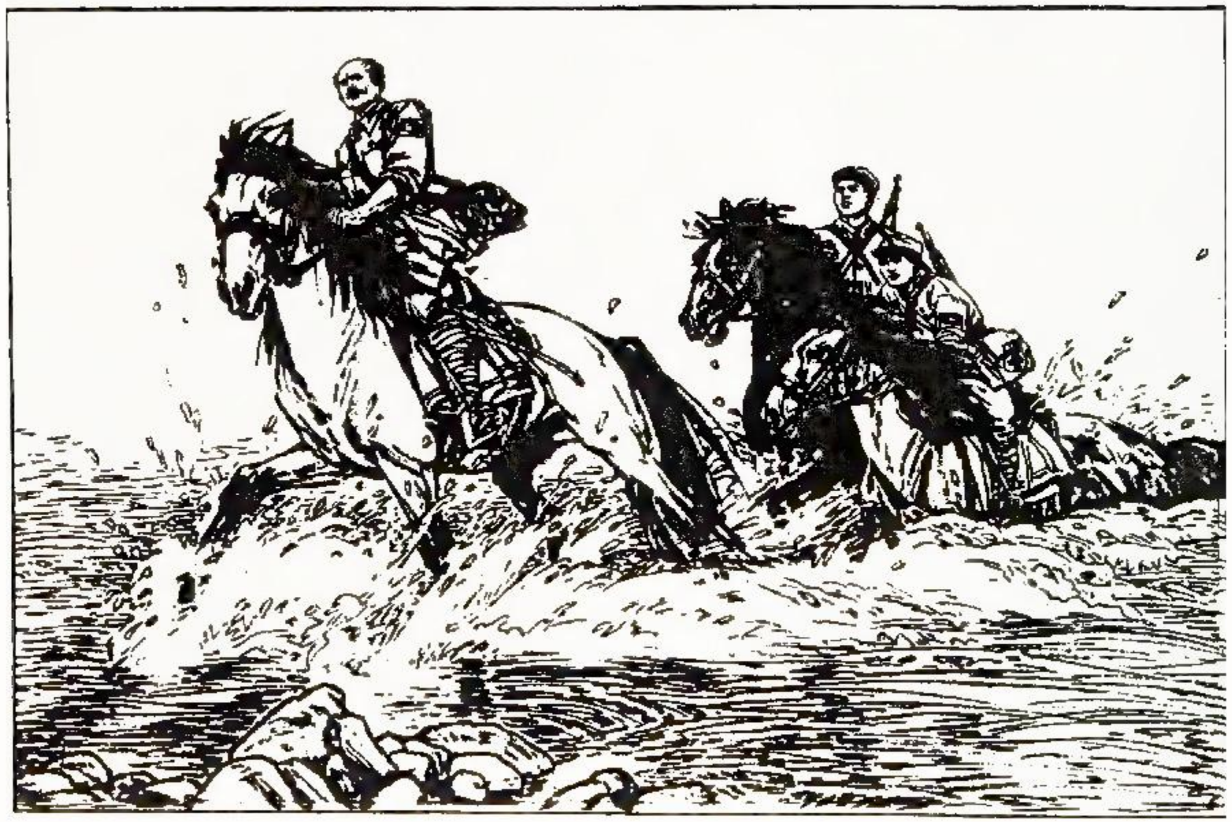
75. The villager, having recovered, brought some red dates and eggs for Comrade Bethune. He tried to refuse these gifts, but as the villager insisted, had to accept some of them. Later, he told a nurse to take the dates and eggs to the wounded.



75. जब ग्रामीण स्वस्थ हो गया, तो उसने कॉमरेड बेथ्यून को कुछ लाल खजूर और अंडे भेंट किये. उन्होंने इन उपहारों को अस्वीकार करने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण के आग्रह के कारण उसे कुछ उपहार स्वीकार करने पड़े. बाद में, उसने एक नर्स से कहा कि वह खजूर और अंडे घायलों तक ले जाए.

76. One day, on hearing that there was a seriously wounded soldier on the verge of death in a village some 25 kilometres away, Comrade Bethune jumped on his horse and rode off at full gallop.

77. It was already dusk when Comrade Bethune finished the operation. As he remembered that there were some other wounded waiting to be operated on. He mounted the horse, which was still damp with sweat, and hastened back at once.





76. एक दिन, जब कॉमरेड बेथ्यून को पता चला कि लगभग 25 किलोमीटर दूर एक गाँव में एक गंभीर रूप से घायल सैनिक मृत्यु के कगार पर है, तो वह अपने घोड़े पर सवार होकर पूरी गति से दौड़ पड़े.

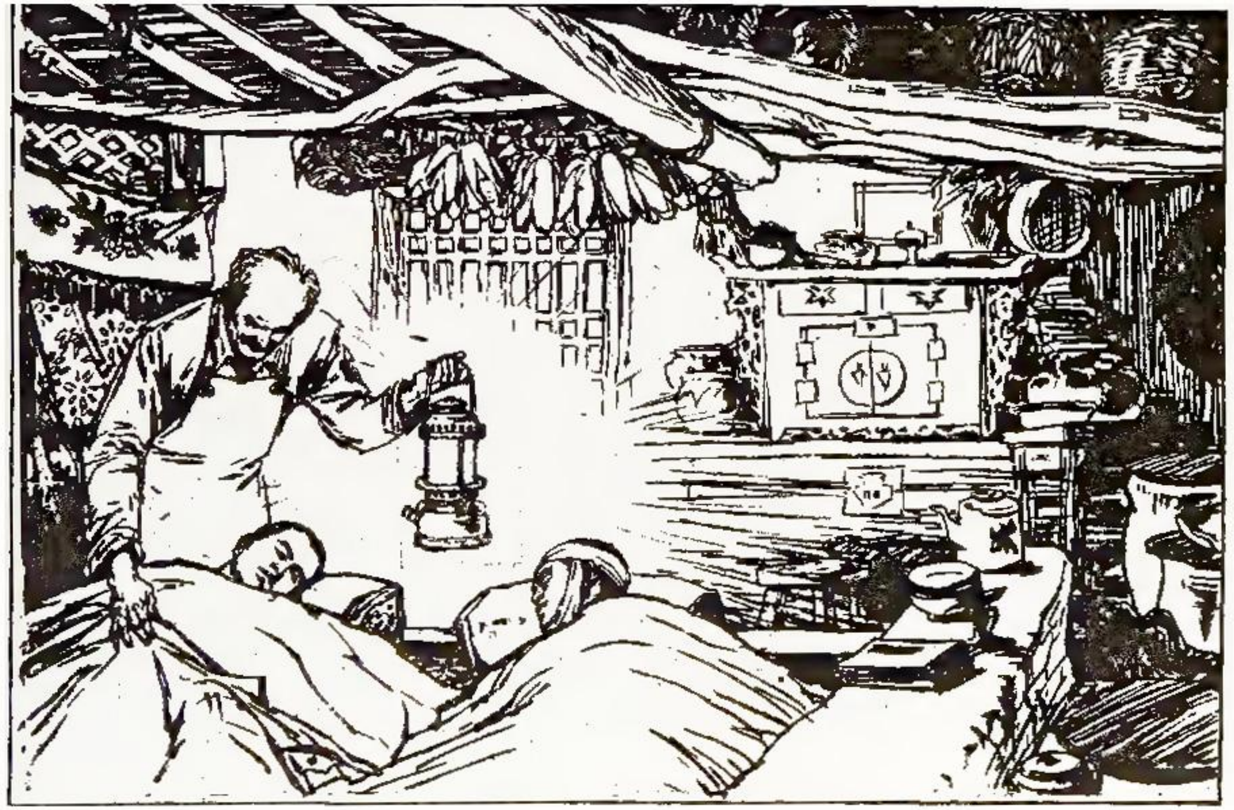
77. जब कॉमरेड बेथ्यून ने ऑपरेशन समाप्त किया, तब तक शाम हो चुकी थी. जब उन्हें याद आया कि कुछ अन्य घायलों का ऑपरेशन होना अभी बाकी है, तो वह घोड़े पर सवार हो गये, जो अभी भी पसीने से भीगा हुआ था, और तुरंत वापस चले गए.

78. The leading cadres were very concerned about Comrade Bethune's health. One day they had some chicken soup especially prepared for him. But when the orderly brought him two bowls of the soup, he took them to the wounded soldiers. The orderly was very worried, but Comrade Bethune said, "I am a communist fighter. How can I enjoy any special privileges!"



78. अग्रणी कैडर कॉमरेड बेथ्यून के स्वास्थ्य के बारे में बहुत चिंतित थे. एक दिन उन्होंने उनके लिए विशेष रूप से चिकन सूप तैयार करवाया. लेकिन जब अर्दली उसके लिए सूप के दो कटोरे लेकर आया, तो वह उन्हें घायल सैनिकों के पास ले गए. अर्दली बहुत चिंतित था, लेकिन कॉमरेड बेथ्यून ने कहा, "मैं एक कम्युनिस्ट लड़ाका हूँ. मैं किसी विशेष सुविधा का आनंद कैसे ले सकता हूँ!"

79. Late at night, Comrade Bethune would go on his rounds of the wards, lamp in hand. He would see for himself that the wounded soldiers were sleeping well and properly covered.



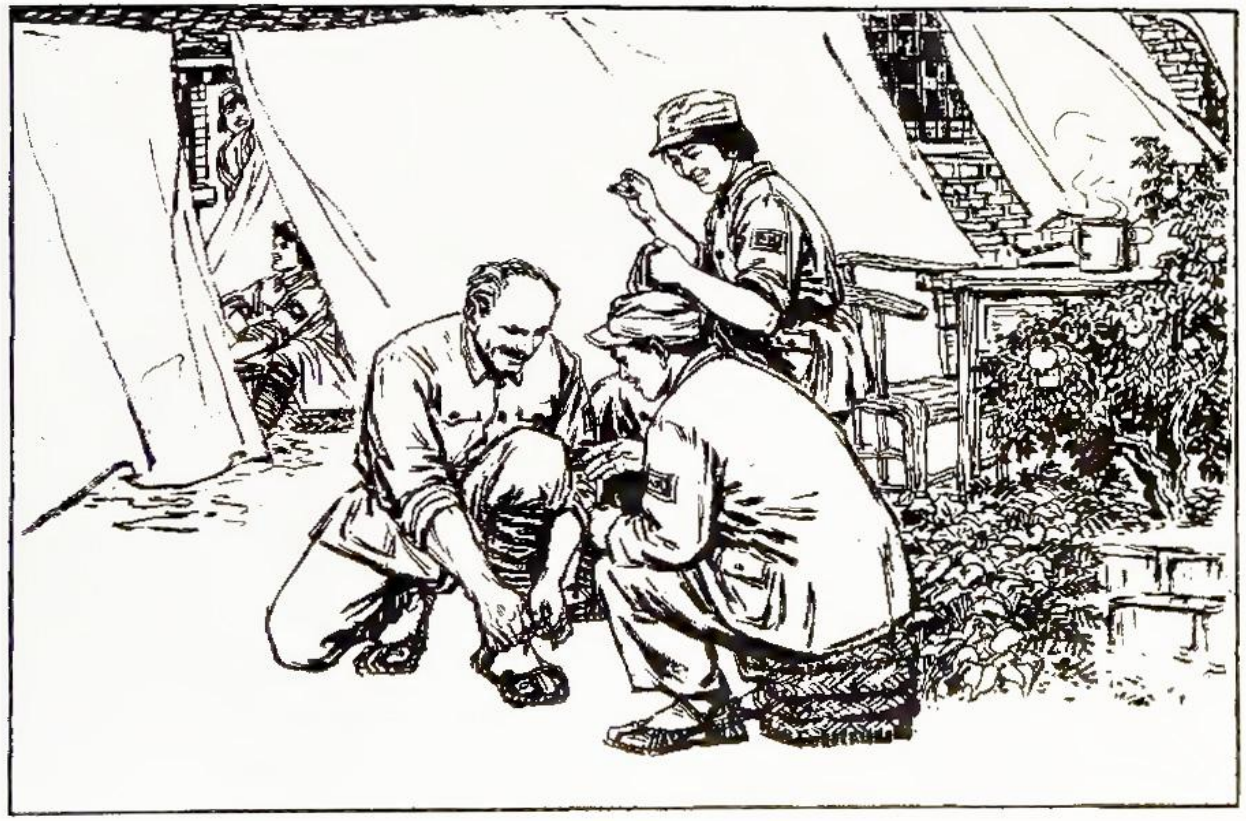
79. देर रात को, कॉमरेड बेथ्यून हाथ में लैंप लेकर वार्डों का चक्कर लगाते थे. वे खुद देखते थे कि घायल सैनिक अच्छी तरह सो रहे हैं और ठीक से ओढ़े हुए हैं.

80. In those hard days Comrade Bethune, like any ordinary 8th Route Army man, always had his sewing-kit with him, and mended his own clothes.



80. उन कठिन दिनों में, कॉमरेड बेथ्यून, किसी भी साधारण 8वीं रूट आर्मी के जवान की तरह, हमेशा अपने साथ सिलाई-किट रखते थे और अपने कपड़े खुद ही सीते थे.

81. A young soldier already well and about to return to his unit presented Comrade Bethune with a pair of straw sandals he had made himself. Comrade Bethune accepted them gladly, "What a precious gift!" he said, putting them on.



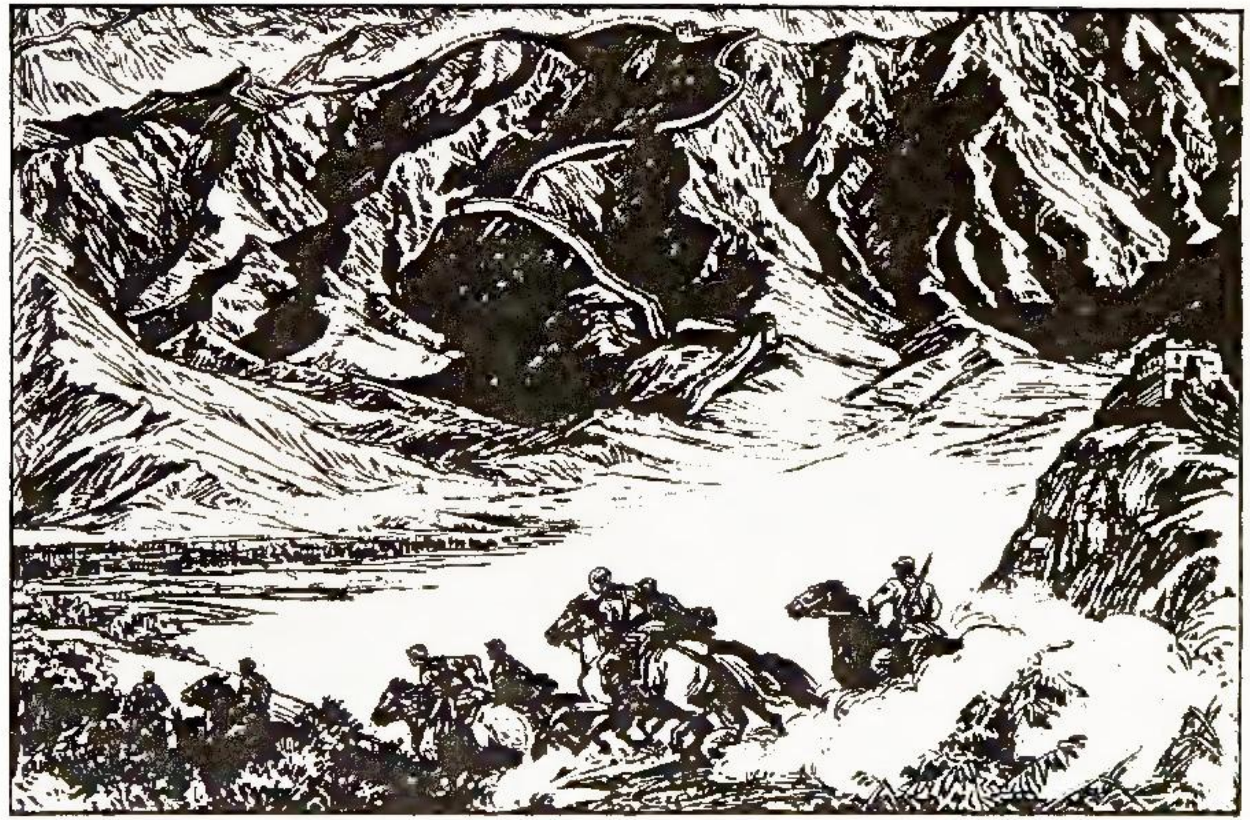
81. एक युवा सैनिक जो पहले से ही स्वस्थ था और अपनी यूनिट में वापस जाने वाला था, कॉमरेड बेथ्यून को अपने द्वारा बनाए गए स्ट्रॉ सैंडल भेंट किए. कॉमरेड बेथ्यून ने उन्हें खुशी से स्वीकार किया, "क्या कीमती उपहार है!" उन्होंने सैंडल पहनते हुए कहा.

82. Comrade Bethune decided to take a short trip home to Canada. His purpose was to tell the whole world about the great War of Resistance being waged by the Chinese people against Japan and to make a public appeal for funds, medicine and medical supplies.



82. कॉमरेड बेथ्यून ने कनाडा में अपने घर की एक छोटी यात्रा करने का फैसला किया. उनका उद्देश्य पूरी दुनिया को जापान के खिलाफ चीनी लोगों द्वारा छेड़े जा रहे महान प्रतिरोध युद्ध के बारे में बताना और धन, दवा और चिकित्सा आपूर्ति के लिए सार्वजनिक अपील करना था.

83. Comrade Bethune was scheduled to leave on October 20, 1939. But just at this time the Japanese invaders began a large-scale winter “mopping-up" campaign in the mountain regions of western Hopei. Comrade Bethune promptly postponed his departure and led the mobile team to the Laiyuan-Motienling front, where fierce fighting was going on.



83. कॉमरेड बेथ्यून को 20 अक्टूबर, 1939 को रवाना होना था. लेकिन ठीक इसी समय जापानी आक्रमणकारियों ने पश्चिमी होपेई के पहाड़ी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर शीतकालीन "सफाई" अभियान शुरू किया. कॉमरेड बेथ्यून ने तुरंत अपना प्रस्थान स्थगित कर दिया और मोबाइल टीम को लाइयुआन-मोटिएनलिंग मोर्चे पर ले गए, जहाँ भीषण लड़ाई चल रही थी.

84. Near Sunchiachuang Village, about four kilometres from the front, the medical team met some wounded soldiers brought in from Motienling (Sky-Kissing Peak). Without even taking time to eat, Bethune and his comrades set about improvising an operating theatre in a small temple on the hillside and started work at once.



84. मोर्चे से लगभग चार किलोमीटर दूर सुनचियाचुआंग गांव के पास, मेडिकल टीम ने मोतिएनलिंग (स्काई-किसिंग पीक) से लाए गए कुछ घायल सैनिकों से मुलाकात की. खाने के लिए भी समय निकाले बिना, बेथ्यून और उनके साथियों ने पहाड़ी पर एक छोटे से मंदिर में एक ऑपरेशन थियेटर बनाने का काम शुरू किया और तुरंत अपना काम शुरू कर दिया.

85. On the second afternoon of the attack, while Comrade Bethune was busy at work, a sentinel ran in and reported that enemy soldiers were on the hill opposite.



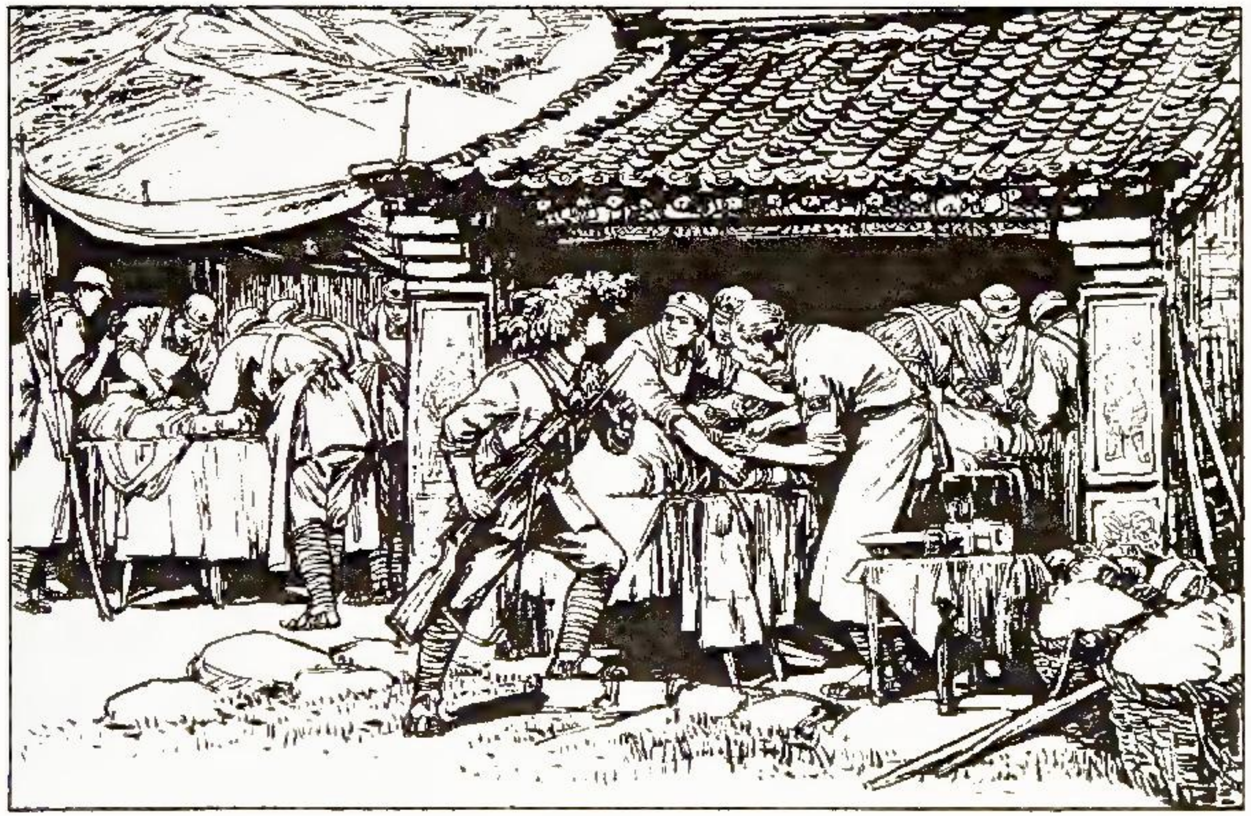
85. हमले की दूसरी दोपहर, जब कॉमरेड बेथ्यून काम में व्यस्त थे, एक प्रहरी दौड़कर आया और उसने बताया कि दुश्मन सैनिक सामने की पहाड़ी पर हैं.

86. Comrade Bethune asked in a calm voice, "How many wounded men haven't been operated on yet?" "Ten," answered his comrades. Comrade Bethune issued rapid orders: "Get two more operating tables ready right away. Let's try and finish the operations as fast as we can."



86. कॉमरेड बेथ्यून ने शांत स्वर में पूछा, "कितने घायल लोगों का अभी तक ऑपरेशन नहीं हुआ है?" "दस," उनके साथियों ने उत्तर दिया. कॉमरेड बेथ्यून ने तुरंत आदेश जारी किया: "तुरंत दो और ऑपरेशन टेबल तैयार करें. चलो, हम जितनी जल्दी हो सके ऑपरेशन खत्म करने की कोशिश करें."

87. They worked energetically on three patients at a time. A few minutes later, the sentinel came in and reported: "The enemy have come down the hill." But Comrade Bethune kept on operating as if he had heard nothing at all.



87. उन्होंने एक बार में तीन मरीजों पर पूरी ताकत से काम किया. कुछ मिनट बाद, प्रहरी अंदर आया और उसने बताया: "दुश्मन पहाड़ी से नीचे आ गए हैं." लेकिन कॉमरेड बेथ्यून ऐसे काम करते रहे जैसे उन्होंने कुछ सुना ही न हो.

88. Suddenly rifle shots rang out in the valley down below. The sentinel ran in and said: "The company of guards are now engaging the enemy." When the interpreter urged him to leave right away Comrade Bethune said in a firm voice: ''An army doctor's duty is to stay with the fighters and never leave them. If he dies at his post, it's a glorious death."



88. अचानक नीचे घाटी में राइफल की गोलियों की आवाज सुनाई दी. प्रहरी दौड़कर अंदर आया और बोला: "गार्ड की टुकड़ी अब दुश्मन से भिड़ रही है." जब दुभाषिए ने उसे तुरंत चले जाने के लिए कहा तो कॉमरेड बेथ्यून ने दृढ़ स्वर में कहा: ''सेना के डॉक्टर का कर्तव्य है कि वह लड़ाकों के साथ रहे और उन्हें कभी न छोड़े. अगर वह अपनी पोस्ट पर मर भी जाता है, तो यह एक शानदार मौत होगी."

89. Twenty minutes later, the last patient, wounded in the leg, was brought in and Jaid on Comrade Bethune's operating table. Rifle fire rang out again, this time at closer range. The sentinel rushed in and gave the alarm: "The enemy are approaching the village."



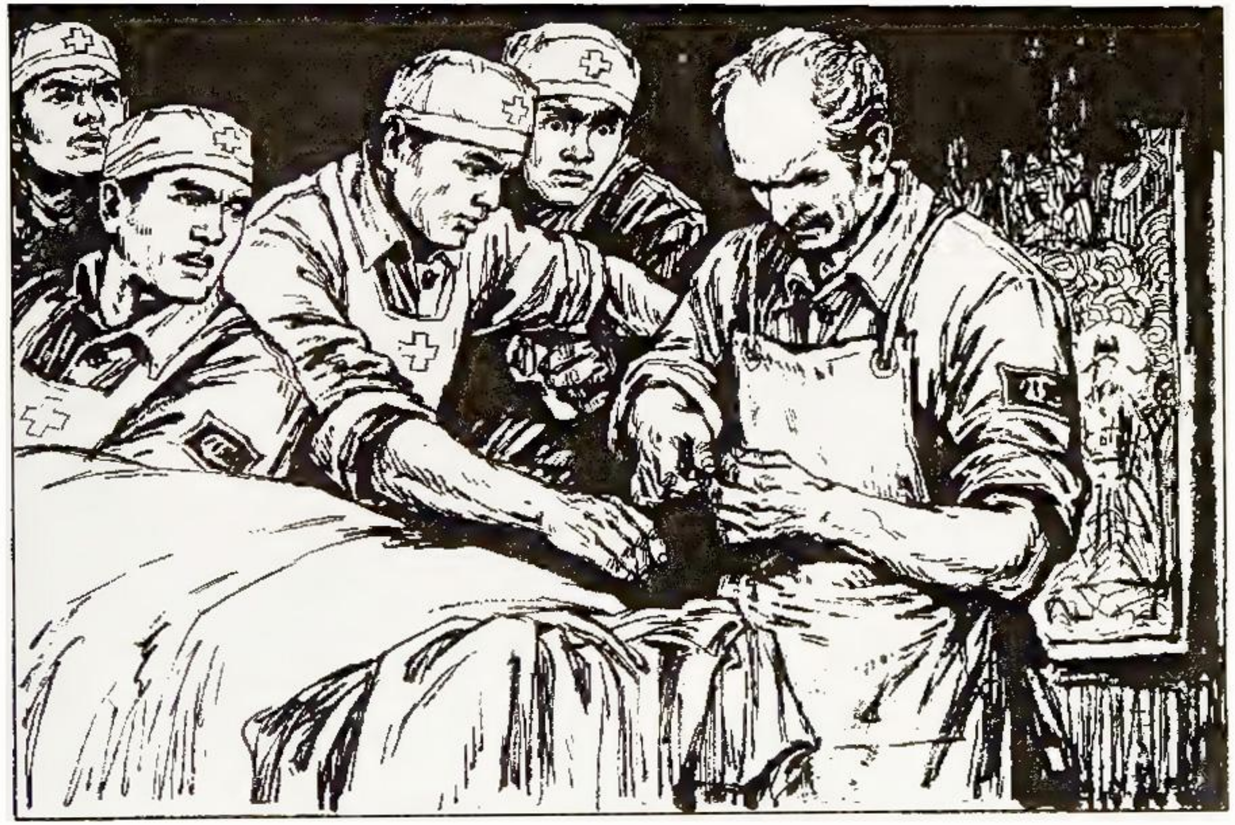
89. बीस मिनट बाद, पैर में घायल आखिरी मरीज को लाया गया और उसे कॉमरेड बेथ्यून की ऑपरेटिंग टेबल पर लिटाया गया. राइफल की गोलियों की आवाज फिर से सुनाई दी, इस बार करीब से. प्रहरी दौड़कर अंदर आया और अलार्म बजाया: "दुश्मन गांव की ओर बढ़ रहे हैं."

90. One of the doctors pulled Comrade Bethune by the arm and said, "Let me take your place. You must Leave at once." Comrade Bethune, pushing the doctor's hand aside, said to the anaesthetist: "Local anaesthesia!" The wounded soldier raised his head and pleaded: "Please go, Doctor Bethune. It's not a bad wound... Please go before the enemy comes."



90. डॉक्टरों में से एक ने कॉमरेड बेथ्यून को हाथ से खींचा और कहा, "मुझे आपकी जगह लेने दीजिए. आपको तुरंत चले जाना चाहिए." कॉमरेड बेथ्यून ने डॉक्टर का हाथ एक तरफ धकेलते हुए एनेस्थेटिस्ट से कहा: "लोकल एनेस्थीसिया!" घायल सैनिक ने अपना सिर उठाया और विनती की: "कृपया चले जाइए, डॉक्टर बेथ्यून. यह कोई गंभीर घाव नहीं है... कृपया दुश्मन के आने से पहले चले जाइए."

91. Comrade Bethune was swiftly doing the operation when suddenly he whispered, as if to himself, "Damn!" Everybody turned round only to see blood oozing down the middle finger of his left hand. "It's nothing," he said, "I just cut myself with my scalpel." He dipped his finger into tincture of iodine and then went back to his work.



91. कॉमरेड बेथ्यून तेजी से ऑपरेशन कर रहे थे, तभी अचानक उन्होंने फुसफुसाते हुए कहा, मानो खुद से ही, "धिक्कार है!" सभी ने पीछे मुड़कर देखा तो उनके बाएं हाथ की बीच वाली उंगली से खून बह रहा था. "कुछ नहीं," उन्होंने कहा, "मैंने बस अपने स्केलपेल से खुद को काट लिया है." उन्होंने अपनी उंगली आयोडीन के टिंचर में डुबोई और फिर अपने काम पर लग गए.

92. The sharp rattle of machine-gun shots, like hailstones on cold steel, came nearer and nearer. When he finished the last stitch, Comrade Bethune took a deep breath and said: "Take him away!" In no time he was in the saddle, and galloping down the hill.



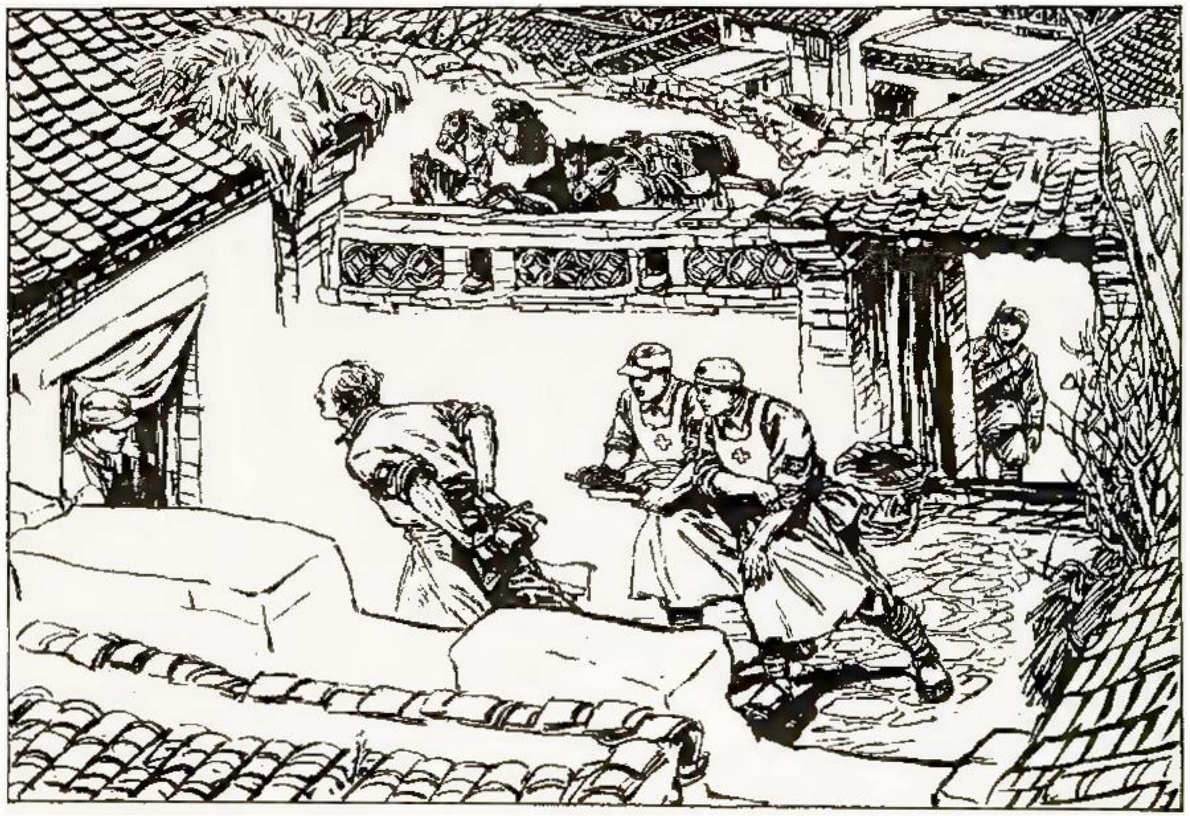
92. मशीन-गन की गोलियों की तेज आवाज, ठंडे स्टील पर ओलों की तरह, करीब आती जा रही थी. जब उन्होंने आखिरी सिलाई पूरी की, तो कॉमरेड बेथ्यून ने गहरी सांस ली और कहा: "उसे ले जाओ!" कुछ ही समय में वे काठी पर थे, और पहाड़ी से नीचे सरपट दौड़ रहे थे.

93. On the way the comrades remarked that they had had a close shave, but Comrade Bethune said with a senile: "We've won a great victory today. Eighth Route Army men aren't afraid of whizzing bullets and bursting shells, and don't leave the front when lightly wounded. I am a medical advisor of the 8th Route Army. So, I shouldn't, either.”



93. रास्ते में कॉमरेडों ने टिप्पणी की कि वे बाल-बाल बच गए, लेकिन कॉमरेड बेथ्यून ने कहा: "हमने आज एक बड़ी जीत हासिल की है. आठवीं रूट की सेना के लोग गोलियों और फटने वाले गोले से नहीं डरते, और हल्के से घायल होने पर भी मोर्चे को नहीं छोड़ते. मैं आठवीं रूट की सेना का चिकित्सा सलाहकार हूँ. इसलिए, मुझे भी नहीं छोड़ना चाहिए.”

94. The medical team kept riding the whole night until they came to the rear hospital at Kanhoching. Comrade Bethune's finger had become inflamed, so the comrades advised him to rest. He said: "Thank you, comrades, for your concern. But there are so many wounded in need of treatment. How can I sit idly by?" So, he worked busily for another two days on end.



94. चिकित्सा दल पूरी रात घूमता रहा, जब तक कि वे कानहोचिंग के पीछे के अस्पताल में नहीं पहुँच गए. कॉमरेड बेथ्यून की उंगली में सूजन आ गई थी, इसलिए कॉमरेडों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी. उन्होंने कहा: "आपकी चिंता के लिए धन्यवाद, कॉमरेड्स. लेकिन इतने सारे घायल हैं जिन्हें इलाज की ज़रूरत है. मैं कैसे बेकार बैठ सकता हूँ?" इसलिए, उन्होंने लगातार दो दिन तक काम किया.

95. Unfortunately, while Comrade Bethune was giving emergency treatment to a wounded soldier with erysipelas, his finger became infected. A few days later, it became swollen and festered, and his temperature rose to 39.6 degrees Centigrade. The comrades were alt very anxious about him, "It's nothing," he said, "you needn't worry! I could go on working even if I had only two fingers left."



95. दुर्भाग्य से, जब कॉमरेड बेथ्यून एरिसिपेलस से पीड़ित एक घायल सैनिक को आपातकालीन उपचार दे रहे थे, तो उनकी उंगली में संक्रमण हो गया. कुछ दिनों बाद, वो सूज गई और सड़ने लगी, और उनका तापमान 39.6 डिग्री सेंटीग्रेड हो गया. कॉमरेड उनके बारे में बहुत चिंतित थे, "यह कुछ भी नहीं है," उन्होंने कहा, "आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है! अगर मेरी दो उंगलियां बची होतीं तो भी मैं काम जारी रख सकता था."

96. Still half asleep, Comrade Bethune heard the booming of cannon. He knew there was a battle going on. He rushed out of the room, insisting that he should go to the front. When the comrades urged him to stay, he said hotly" "I have an infected finger, nothing morel What does it matter? You should use me like a machine-gun."



96. अभी भी आधी नींद में ही कामरेड बेथ्यून ने तोपों की गड़गड़ाहट सुनी. वो जानते थे कि युद्ध चल रहा है. वह कमरे से बाहर भागे, और जोर देकर कहा कि उन्हें मोर्चे पर जाना चाहिए. जब कामरेडों ने उसे रुकने के लिए कहा, तो उसने गुस्से से कहा "मेरी उंगली में संक्रमण है, इससे ज्यादा कुछ नहीं. इससे क्या फर्क पड़ता है? आपको मुझे मशीन-गन की तरह इस्तेमाल करना चाहिए."

97. The leading cadres and comrades could not talk him out of it, so the medical team, braving the sleet, set out for the front. Comrade Bethune mounted his horse but rocked precariously in the saddle, feeling faint and weak.



97. अग्रणी कैडर और कामरेड उन्हें मना नहीं पाए, इसलिए मेडिकल टीम, ओले का सामना करते हुए, मोर्चे की ओर निकल पड़ी. कामरेड बेथ्यून अपने घोड़े पर सवार हुए, लेकिन काठी में अस्थिर रूप से हिलते रहे, बेहोश और कमजोर महसूस कर रहे थे.

98. The roar of the guns came nearer and nearer. On the way, the medical team met the wounded soldiers brought in from the Huangtuling front. Comrade Bethune hurried up to them and said apologetically: "Sorry to be late! Sorry to be so late!"



98. तोपों की गर्जना और करीब आती गई. रास्ते में, मेडिकल टीम हुआंगटुलिंग मोर्चे से लाए गए घायल सैनिकों से मिली. कामरेड बेथ्यून जल्दी से उनके पास गए और माफी मांगते हुए कहा: "देर से आने के लिए क्षमा करें! इतनी देर से आने के लिए क्षमा करें!"

99. When they arrived at Wangchiatai, where a regimental medical team was stationed, they saw that Comrade Bethune's Illness had become more serious. The infection had spread and an abscess had formed near his elbow joint. However, he insisted that the wounded soldiers, especially those injured in the head, the chest, or the stomach, be brought to him for treatment. He asked the comrades to wake him up if he was asleep.



99. जब वे वांगचियाताई पहुँचे, जहाँ रेजिमेंटल मेडिकल टीम तैनात थी, तो उन्होंने देखा कि कॉमरेड बेथ्यून की बीमारी और भी गंभीर हो गई थी. संक्रमण फैल गया था और उनकी कोहनी के जोड़ के पास एक फोड़ा बन गया था. हालाँकि, उन्होंने ज़ोर दिया कि घायल सैनिकों, ख़ास तौर पर सिर, छाती या पेट में घायल सैनिकों को इलाज के लिए उनके पास लाया जाए. उन्होंने साथियों से कहा कि अगर वे सो रहे हों तो उन्हें जगा दें.

100. Weak as he was, Comrade Bethune still managed to work for another 16 hours without a break. He refused to rest, although the comrades had asked him time and again to do so. Everybody was moved to tears by the enthusiasm with which he worked.



100. कमज़ोर होने के बावजूद, कॉमरेड बेथ्यून बिना ब्रेक के 16 घंटे और काम करने में कामयाब रहे. उन्होंने आराम करने से इनकार कर दिया, हालाँकि साथियों ने उन्हें बार-बार ऐसा करने के लिए कहा था. जिस उत्साह के साथ उन्होंने काम किया, उसे देखकर हर कोई भावुक हो गया.

101. On November 9, Comrade Bethune's condition got worse. His temperature rose to 40 degrees Centigrade. As the enemy resumed their attack on Wangchiatai, the army leadership decided to evacuate at once. The leading comrades of the unit came to see Comrade Bethune and insisted that he should return to the rear for treatment. It was with great reluctance that Comrade Bethune finally agreed,



101. 9 नवंबर को, कॉमरेड बेथ्यून की हालत और भी खराब हो गई. उनका तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड तक बढ़ गया. जैसे ही दुश्मन ने वांगचियाताई पर अपना हमला फिर से शुरू किया, सेना की कमान ने तुरंत वो स्थान खाली करने का फैसला किया. यूनिट के प्रमुख साथी कॉमरेड बेथ्यून से मिलने आए और उनसे आग्रह किया कि वे आराम करें. इलाज के लिए पीछे की ओर लौटें. बहुत अनिच्छा से कॉमरेड बेथ्यून आखिरकार राजी हुए,

102. On the way Comrade Bethune shivered all over with cold, occasionally vomiting. But he still kept looking back in the direction of the front and said: "What I'm worried about most are the fighters shedding their blood at the front. If I had any strength left in me, I would remain there.”



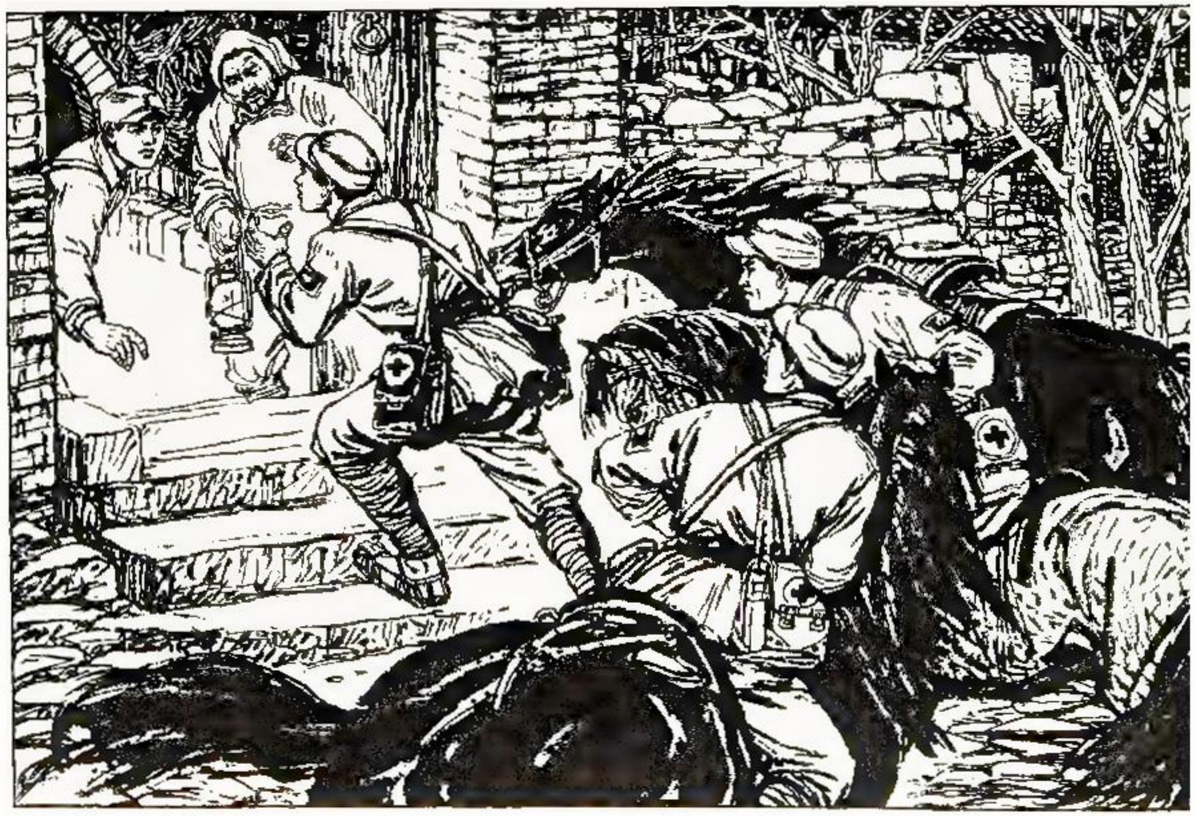
102. रास्ते में कॉमरेड बेथ्यून ठंड से काँप रहे थे, कभी-कभी उल्टी भी कर रहे थे. लेकिन वे फिर भी मोर्चे की ओर देखते रहे और कहा: "मुझे सबसे ज़्यादा चिंता इस बात की है कि मोर्चे पर लड़ाके अपना खून बहा रहे हैं. अगर मुझमें थोड़ी भी ताकत बची होती, तो मैं वहीं रहता."

103. On November 10, Comrade Bethune arrived at Yellow Stone Village in Tanghsien County, where his condition grew ever graver. When the Military Area command heard of this, they immediately gave an urgent order: Comrade Bethune must be saved at all costs!



103. 10 नवंबर को कॉमरेड बेथ्यून तांग्सियन काउंटी के येलो स्टोन गांव पहुँचे, जहाँ उनकी हालत और भी गंभीर होती गई. जब मिलिट्री एरिया कमांड ने इस बारे में सुना, तो उन्होंने तुरंत एक ज़रूरी आदेश दिया: कॉमरेड बेथ्यून को हर कीमत पर बचाया जाना चाहिए!

104. Doctors specially sent by the Military Area command came post-haste to Yellow Stone Village to help save Comrade Bethune.



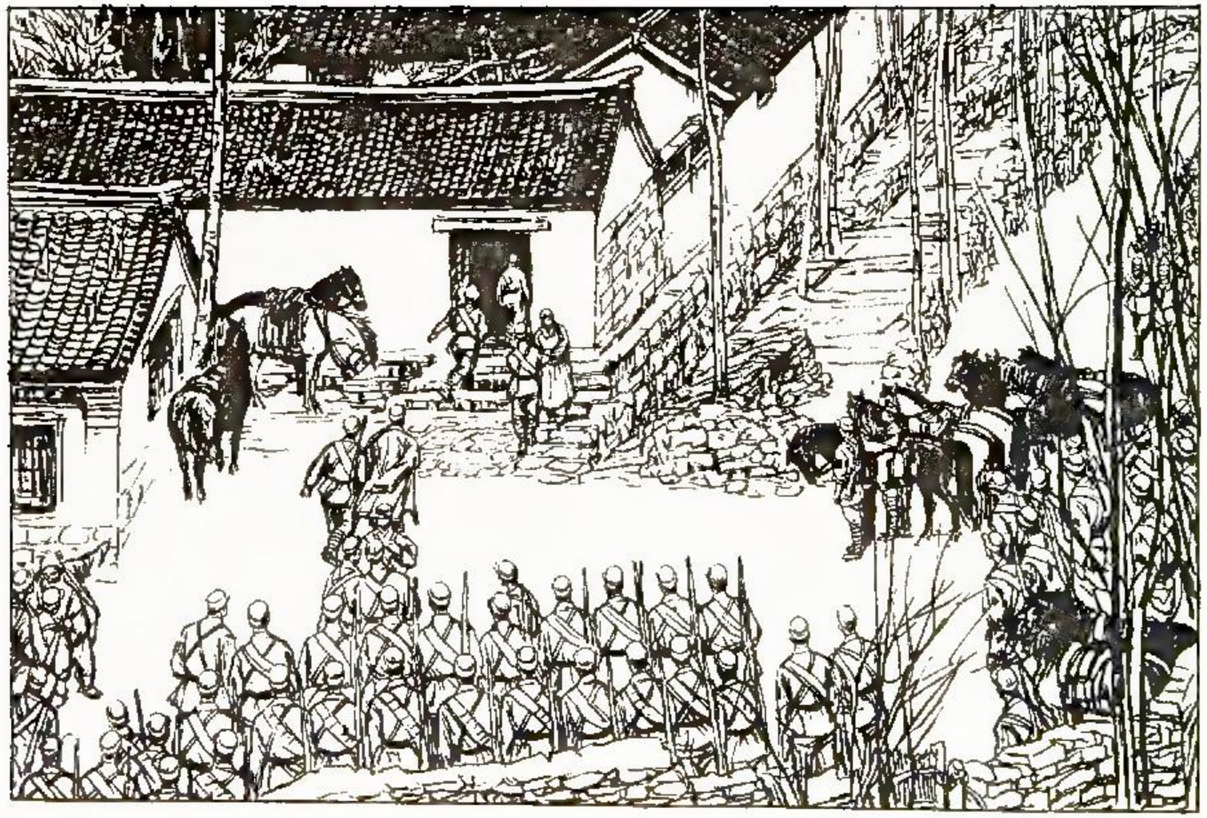
104. मिलिट्री एरिया कमांड द्वारा विशेष रूप से भेजे गए डॉक्टर कॉमरेड बेथ्यून को बचाने के लिए येलो स्टोन गांव में जल्दी-जल्दी पहुँचे.

105. When the villagers learned that Comrade Bethune was getting worse, they gathered in the courtyard to wait for further news. Darkness fell, but nobody would leave.



105. जब गाँव वालों को पता चला कि कॉमरेड बेथ्यून की हालत बिगड़ रही है, तो वे आगे की खबर का इंतज़ार करने के लिए आँगन में इकट्ठा हो गए. अंधेरा छा गया, लेकिन कोई भी वहाँ से जाने को तैयार नहीं था.

106. When a detachment of troops passing through Yellow Stone Village learned that Comrade Bethune was lying ill, they all rushed over to see him.



106. जब येलो स्टोन विलेज से गुज़रने वाली सेना की टुकड़ी को पता चला कि कॉमरेड बेथ्यून बीमार हैं, तो वे सब उन्हें देखने के लिए दौड़े.

107. The officers and men crowded before the window of Comrade Bethune's room. When they saw the critical state, he was in, tears streamed down their faces. Clasping the doctors' hands they said: "Please do everything possible to cure him. We will help you to cure him. By fighting hard. He'll be glad to hear the good news of victory...."



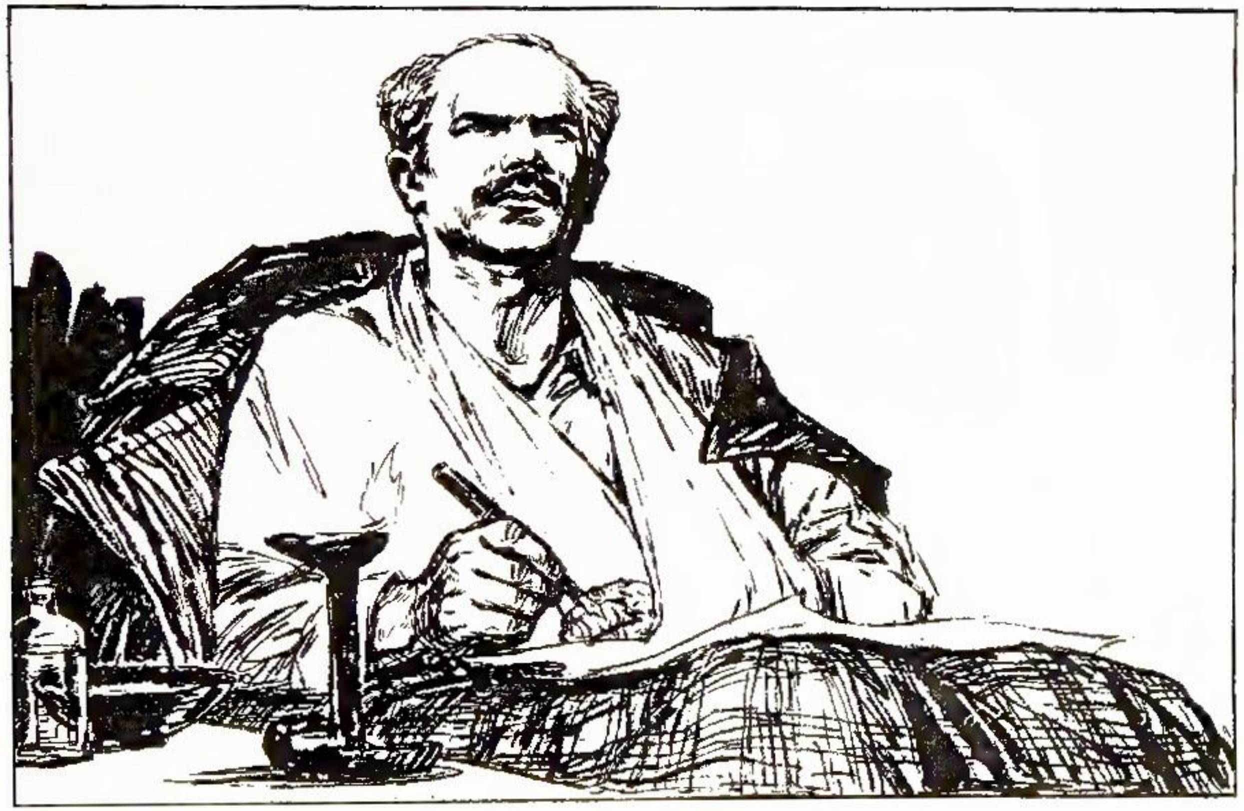
107. कॉमरेड बेथ्यून के कमरे की खिड़की के सामने अधिकारी और सैनिक जमा हो गए. जब उन्होंने उनकी गंभीर हालत देखी, तो उनके चेहरे पर आँसू बहने लगे. डॉक्टरों के हाथ पकड़कर उन्होंने कहा: "कृपया उन्हें ठीक करने के लिए हर संभव प्रयास करें. हम उन्हें ठीक करने में आपकी मदद करेंगे. कड़ी लड़ाई करके. जीत की खुशखबरी सुनकर वे बहुत खुश होंगे..."

108. The doctors took all the emergency measures they could, but there was no sign of improvement in Comrade Bethune's condition. The doctors suggested amputation of the infected arm. Comrade Bethune shook his head and said: "I trust you, but you'd better give up, for mine is a hopeless case. ... It is no longer a matter of the arm... It's in the blood. Septicaemia. Nothing can help me."



108. डॉक्टरों ने सभी आपातकालीन उपाय किए, लेकिन कॉमरेड बेथ्यून की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ. डॉक्टरों ने संक्रमित हाथ को काटने का सुझाव दिया. कॉमरेड बेथ्यून ने अपना सिर हिलाया और कहा: "मैं आपको परेशान कर रहा हूँ, लेकिन बेहतर होगा कि आप हार मान लें, क्योंकि मेरा केस निराशाजनक है. ... अब यह हाथ का मामला नहीं है... यह मेरे खून में है. सेप्टीसीमिया. कोई भी मेरी मदद नहीं कर सकता."

109. On the night of November 11, Comrade Bethune summoned his last strength to sit up in bed, and began to write a letter to the Military Area command, including a message to be passed on to the Communist Party of Canada and the American people: "I have been very happy. My only regret is that I shall now be unable to do more... The last two years have been the most significant, the most meaningful years of my life...



109. 11 नवंबर की रात को, कॉमरेड बेथ्यून ने अपनी आखिरी ताकत जुटाई और बिस्तर पर बैठ गए, और मिलिट्री एरिया कमांड को एक पत्र लिखना शुरू किया, जिसमें कनाडा की कम्युनिस्ट पार्टी और अमेरिकी लोगों को भेजे जाने वाले संदेश शामिल थे: "मैं बहुत खुश हूं. मेरा एकमात्र अफसोस यह है कि अब मैं और कुछ नहीं कर पाऊंगा... पिछले दो साल मेरे जीवन के सबसे महत्वपूर्ण, सबसे सार्थक साल रहे हैं..."

110. Late at night, looking at the comrades around him, Comrade Bethune said with emotion: "Please convey to Chairman Mao my thanks for the education he and the Communist Party of China have given me. I am deeply convinced that the Chinese people will win their liberation. The pity is that I shall not be able to see for myself the birth of a new China."



110. देर रात, अपने आस-पास के साथियों को देखते हुए, कॉमरेड बेथ्यून ने भावुक होकर कहा: "कृपया चेयरमैन माओ को मेरी ओर से उस शिक्षा के लिए धन्यवाद दें जो उन्होंने और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने मुझे दी है. मुझे पूरा विश्वास है कि चीनी लोग अपनी मुक्ति हासिल करेंगे. अफ़सोस यह है कि मैं खुद एक नए चीन का जन्म नहीं देख पाऊंगा."

111. Holding the hand of one of the doctors, Comrade Bethune gasped out these words: "Organize a medical team, go near the front, and take in the wounded. . . With tears in their eyes, the doctors assured him that everything had been arranged, and they asked him to rest well.



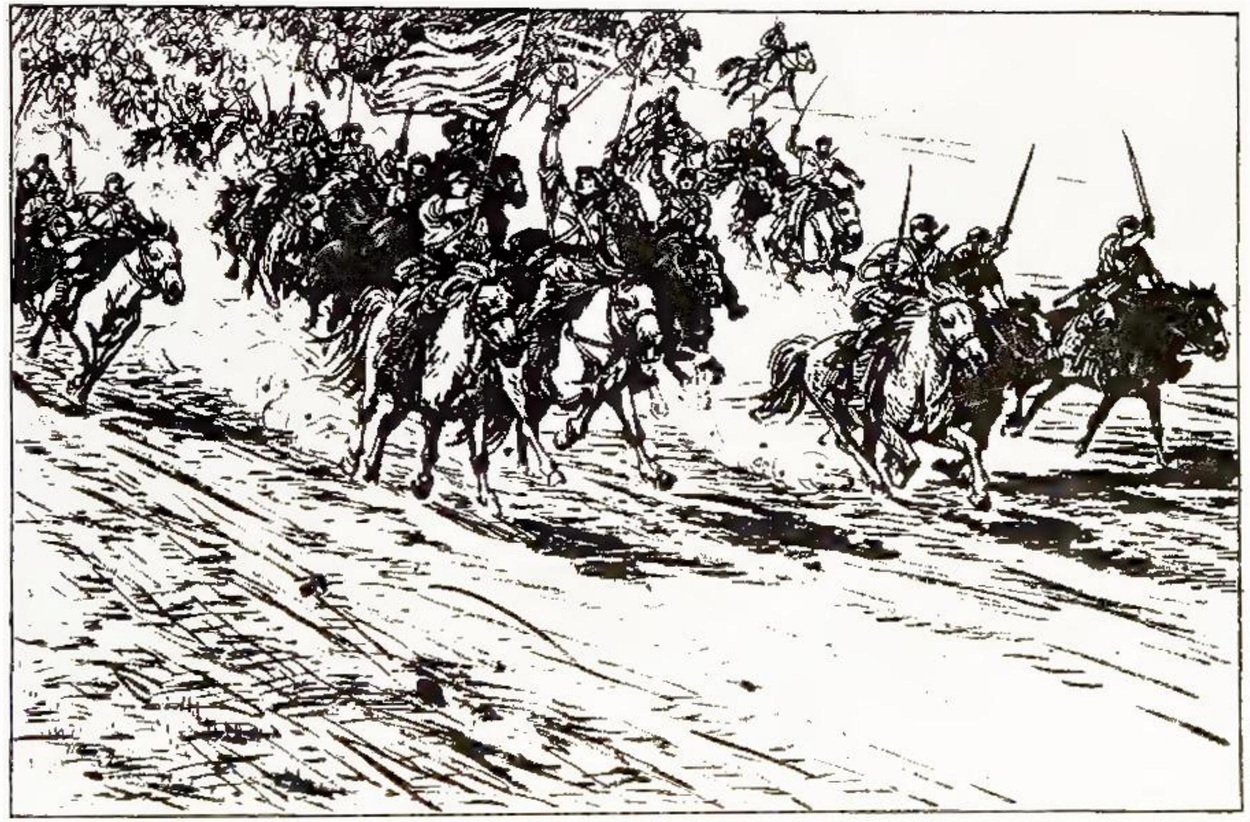
111. एक डॉक्टर का हाथ थामे, कॉमरेड बेथ्यून ने ये शब्द कहे: "एक मेडिकल टीम का आयोजन करें, मोर्चे के पास जाएं, और घायलों को ले जाएं... आंखों में आंसू भरकर डॉक्टरों ने उन्हें आश्वासन दिया कि सब कुछ ठीक हो गया है और उन्होंने उन्हें आराम करने के लिए कहा.

112. With his head raised high, Comrade Bethune uttered his last words in a firm voice: "Fight on! Continue along the great road and carry the cause forward!"



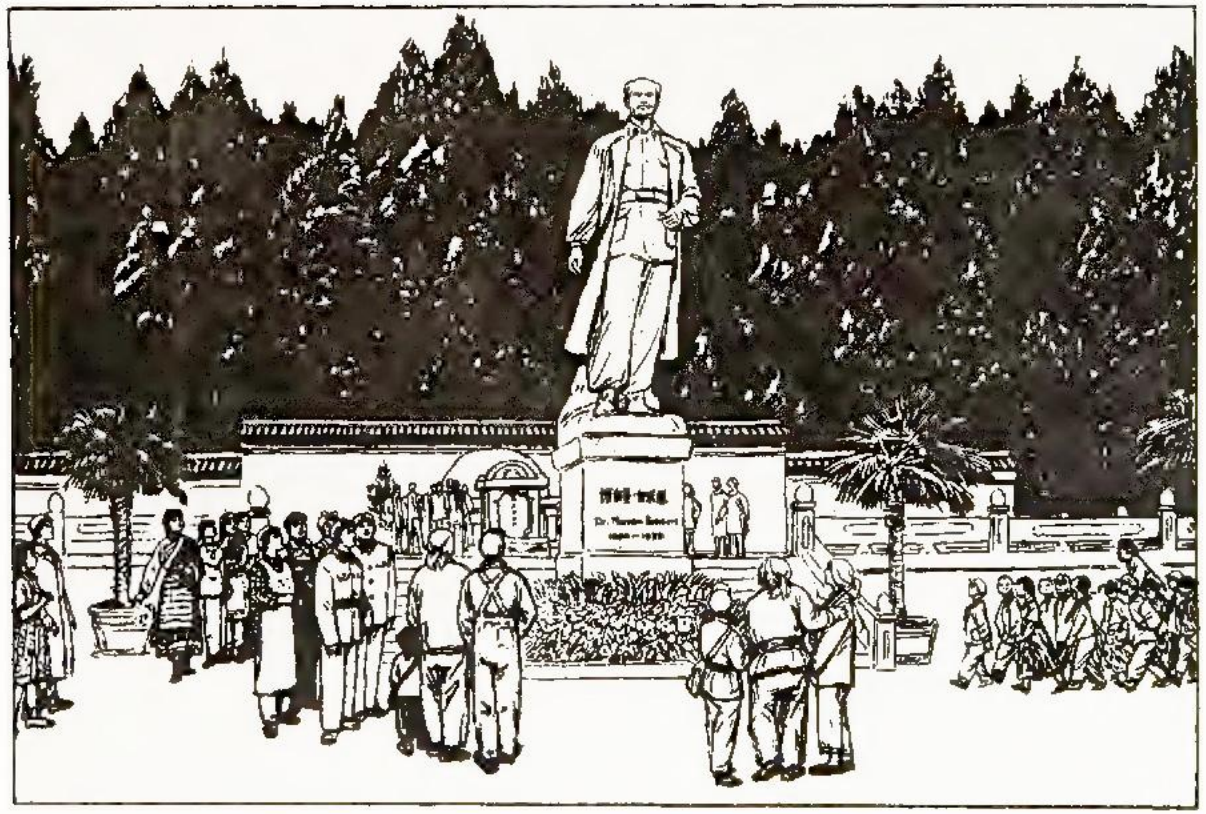
112. अपने सिर को ऊंचा करके कॉमरेड बेथ्यून ने दृढ़ स्वर में अपने अंतिम शब्द कहे: "लड़ते रहो! महान मार्ग पर चलते रहो और इस उद्देश्य को आगे लेकर जाओ!"

113. In the early morning of November 12, 1939, Comrade Norman Bethune, the great internationalist fighter, laid down his precious life while working for the cause of the Chinese people's liberation. When the sad tidings reached the front, the fighters shouted loudly, "Let's avenge our Doctor Bethune!" and charged the enemy positions with renewed force.



113. 12 नवंबर, 1939 की सुबह, महान अंतर्राष्ट्रीयवादी योद्धा कॉमरेड नॉर्मन बेथ्यून ने चीनी लोगों की मुक्ति के लिए काम करते हुए अपना बहुमूल्य जीवन बलिदान कर दिया. जब दुखद समाचार मोर्चे पर पहुंचा, तो सेनानियों ने जोर से चिल्लाया, "चलो अपने डॉक्टर बेथ्यून का बदला लेते हैं!" और दुश्मन के ठिकानों पर नए सिरे से हमला किया.

114. On December 21, 1959, Chairman Mao wrote the brilliant essay "In Memory of Norman Bethune, calling on the Chinese people to learn from him. In 1952, the remains of Comrade Bethune were moved to the North China Martyrs' Cemetery in Shihchiachuang City, Hopei. Comrade Bethune, the great internationalist fighter, will live forever in the hearts of millions upon millions of the Chinese people.



114. 21 दिसंबर, 1959 को चेयरमैन माओ ने शानदार निबंध "नॉर्मन बेथ्यून की याद में" लिखा, जिसमें चीनी लोगों से उनसे सीखने का आह्वान किया गया. 1952 में, कॉमरेड बेथ्यून के अवशेषों को होपेई के शिचियाचुआंग शहर में उत्तरी चीन शहीदों के कब्रिस्तान में ले जाया गया. महान अंतर्राष्ट्रीयवादी योद्धा कॉमरेड बेथ्यून लाखों चीनी लोगों के दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे.

Comrade Norman Bethune, a member of the Communist Party of Canada, was a world-famous chest surgeon. In 1937, when the War of Resistance Against Japan broke out, he was sent to China by the Communist Parties of Canada and the United States. He arrived early in 1938. In the spring of the same year, he reached Yenan and was received by the great leader of the Chinese people, Chairman Mao. Soon afterwards, he went to the base area behind the enemy lines as Medical Advisor to the Shansi- Chahar-Hopei Military Area. In those hard war years, he shared the joys and sorrows of the people and army men in the Shansi-Chahar-Hopei Border Region. He adopted the cause of the Chinese people's liberation as his own. With selfless enthusiasm in his work, and imbued with the great spirit of internationalism and communism, he made a glorious contribution to the cause of the Chinese people's liberation. Unfortunately, he contracted blood poisoning while operating on wounded soldiers, and to our great sorrow, after all measures taken to cure him had proved futile, died on November 12, 1939 at Yellow Stone Village in Tanghsien County, Hopei Province.

On December 21, 1939, Chairman Mao wrote the brilliant essay in Memory of Norman Bethune calling on the Chinese people to learn from Comrade Bethune. In 1940, to perpetuate his memory, the Shansi-Chahar-Hopei Military Area renamed the Model Hospital set up by him the "Bethune International Peace Hospital."

The great internationalist fighter Comrade Bethune lives forever in the hearts of millions upon millions of the Chinese people.

कनाडा की कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य कॉमरेड नॉर्मन बेथ्यून एक विश्व प्रसिद्ध छाती सर्जन थे. 1937 में, जब जापान के खिलाफ़ प्रतिरोध का युद्ध छिड़ा, तो उन्हें कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका की कम्युनिस्ट पार्टियों द्वारा चीन भेजा गया. वे 1938 की शुरुआत में पहुँचे. उसी वर्ष वसंत में, वे येनान पहुँचे और चीनी लोगों के महान नेता, चेयरमैन माओ ने उनका स्वागत किया. इसके तुरंत बाद, वे शांसी-चाहर-होपेई सैन्य क्षेत्र के चिकित्सा सलाहकार के रूप में दुश्मन की रेखाओं के पीछे बेस क्षेत्र में चले गए. युद्ध के उन कठिन वर्षों में, उन्होंने शांसी-चाहर-होपेई सीमा क्षेत्र में लोगों और सेना के जवानों के सुख-दुख में हिस्सा लिया. उन्होंने चीनी लोगों की मुक्ति के उद्देश्य को अपना बना लिया. अपने काम में निस्वार्थ उत्साह के साथ, और अंतर्राष्ट्रीयता और साम्यवाद की महान भावना से ओतप्रोत होकर, उन्होंने चीनी लोगों की मुक्ति में एक शानदार योगदान दिया. दुर्भाग्य से, घायल सैनिकों का ऑपरेशन करते समय उन्हें रक्त विषाक्तता हो गई, और बड़े दुख की बात है कि उनके इलाज के लिए किए गए सभी उपाय निरर्थक साबित होने के बाद, 12 नवंबर, 1939 को होपेई प्रांत के तांग्सियन काउंटी के येलो स्टोन गांव में उनकी मृत्यु हो गई.

21 दिसंबर, 1939 को, चेयरमैन माओ ने नॉर्मन बेथ्यून की स्मृति में शानदार निबंध लिखा, जिसमें चीनी लोगों से कॉमरेड बेथ्यून से सीखने का आह्वान किया गया. 1940 में, उनकी स्मृति को अमर बनाने के लिए, शांसी-चाहर-होपेई सैन्य क्षेत्र ने उनके द्वारा स्थापित मॉडल अस्पताल का नाम बदलकर "बेथ्यून इंटरनेशनल पीस हॉस्पिटल" कर दिया.

महान अंतर्राष्ट्रीयतावादी योद्धा कॉमरेड बेथ्यून लाखों चीनी लोगों के दिलों में सदैव जीवित रहेंगे.